■ भाद्रपद कृष्ण - 7 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 24 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 15-08-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, हितैषियों, विज्ञापनदाताओं को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार 15 अगस्त 2025 को दक्षिण भारत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फुल आजादी

गलियों में श्वानों को कुछ भी,
करने की है आजादी।
समझदार को सिर्फ टैक्स ही,
भरने की है आजादी।
प्रतिभाशाली युवा शक्ति को,
मरने की है आजादी।
नेताओं को जनता का हक,
हरने की है आजादी।।

79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन

भारत आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने के मार्ग पर अग्रसर : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर है और 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है।

मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है, महंगाई नियंत्रण में है और निर्यात बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा, विदेशी शासन के लंबे वर्षों के बाद, स्वतंत्रता के समय भारत भीषण गरीबी में था। लेकिन उसके बाद के 78 वर्षों में, हमने सभी क्षेत्रों में असाधारण प्रगति की है। भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने की राह पर है और पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में, भारत की उपलब्धियां और भी उल्लेखनीय हैं। पिछले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बन गया।

मुर्मू ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में तनाव के बावजूद, घरेलू मांग तेजी से बढ़ रही है। मुद्रास्फीति काबू में है। निर्यात बढ़ रहा है। सभी प्रमुख संकेतक अर्थव्यवस्था की मजबूती की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर उपलब्धियों का श्रेय सूझबूझ के साथ किए गए सुधारों, कुशल आर्थिक प्रबंधन, किसानों की कड़ी मेहनत और समर्पण को दिया।

मुर्मू ने कहा, सामाजिक क्षेत्र में किए गए उपायों के साथ चौतरफा आर्थिक वृद्धि ने भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर कर दिया है। अमृत काल में राष्ट्र के आगे बढ़ने के साथ, मैं देखती हूं कि हम सभी अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे रहे हैं।

भारतीय गोताखोर समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक गया

नई दिल्ली/भाषा। शुभांशु शुक्ला के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बनने के करीब महीने भर बाद, भारत ने इस माह की शुरुआत में अपनी तरह के पहले अभियान में एक गोताखोर को समुद्र में 5,000 मीटर की गहराई तक भेजा।

भारत के महत्वाकांक्षी 'डीप ओशन मिशन' की तैयारी के तहत, फ्रांस के साथ साझेदारी में दो भारतीयों ने पांच और छह अगस्त को फ्रांसीसी पनडुब्बी ''नॉटाइल'' में उत्तरी अटलांटिक महासागर में एक-एक गहरा गोता सफलतापूर्वक लगाया।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में

बादल फटने से 38 लोगों की मौत

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर पहाड़ी गांव में बृहस्पतिवार को बादल फटने से सीआईएसएफ के दो जवानों समेत कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य के अब भी फंसे होने की आशंका है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है और अब तक 120 लोगों को बचा लिया गया है जिनमें 38 की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि मृतकों में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के दो जवान भी शामिल हैं।

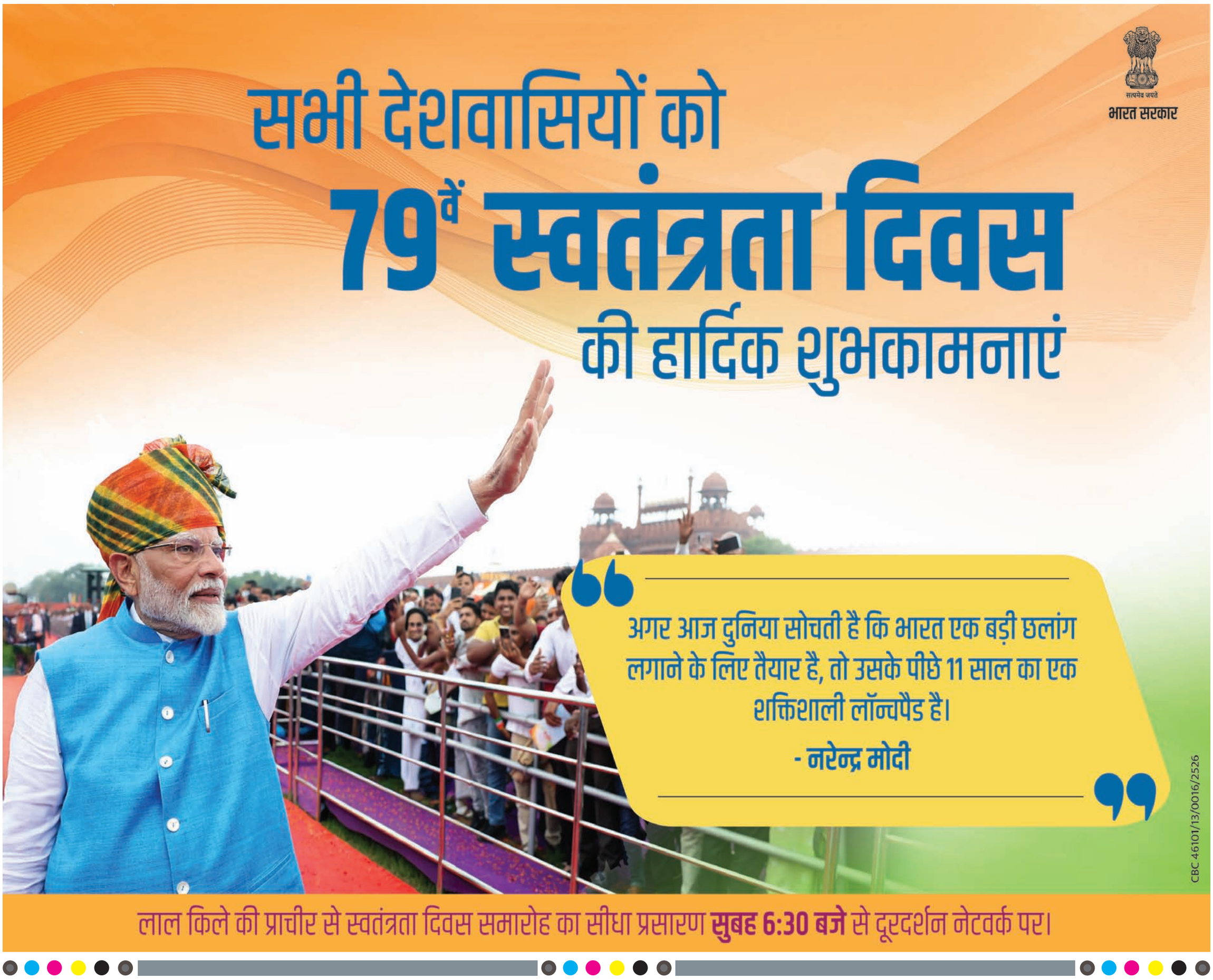

प्रधानमंत्री मोदी स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से देंगे भाषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को स्वतंत्रता दिवस पर लगातार 12वीं बार लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री का यह संबोधन ऐसे समय पर हो रहा है जब 'ऑपरेशन सिंदूर' को कुछ महीने ही हुए हैं और विपक्षी दल चुनाव में कथित गड़बड़ियों को लेकर एकजुट होकर उनकी सरकार पर सवाल उठा रहे हैं।

मोदी इस अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और अपने कार्यकाल में कल्याणकारी मॉडल के विस्तार पर भारत के अडिग रुख को रेखांकित कर सकते हैं। साथ ही वह व्यापार पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत के प्रति प्रतिकूल रुख से उत्पन्न आर्थिक और विदेशी संबंधों की अनिश्चितता के माहौल पर भी बोल सकते हैं। प्रधानमंत्री पिछले काफी समय से 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने में मदद के लिए स्वदेशी तकनीक और स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देकर देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने पर बार-बार जोर दे रहे हैं और देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से उनके भाषण में इसी बात को दोहराया जा सकता है।

हाल में लगातार दो बार प्रधानमंत्री बनने के इंदिरा गांधी के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने के बाद, मोदी अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन के साथ, लाल किले की प्राचीर से दिए गए इंदिरा के लगातार 11 भाषणों को पीछे छोड़ते हुए, इस मामले में प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर होंगे।

इंदिरा गांधी जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक, और फिर जनवरी 1980 से अक्टूबर 1984 में अपनी हत्या तक, प्रधानमंत्री पद पर रहीं। कुल मिलाकर,

उन्होंने 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के रूप में 16 भाषण दिए हैं। पंद्रह अगस्त को मोदी के भाषणों में हमेशा उस समय के प्रमुख मुद्दे और उनके कार्यकाल में देश के विकास पर चर्चा होती है, और वे अकसर नीतिगत पहलों या नई योजनाओं की घोषणा भी अपने संबोधन में करते हैं। पिछले साल 15 अगस्त को अपने 98 मिनट के संबोधन में, उन्होंने वर्तमान 'सांप्रदायिक' और 'भेदभाव' को बढ़ावा देने वाली संहिता के बजाय एक 'धर्मनिरपेक्ष' नागरिक संहिता और एक साथ चुनाव कराने की स्पष्ट वकालत की थी। उन्होंने घोषणा की थी कि अगले पांच वर्षों में देश में 75,000 और मेडिकल सीटें सृजित की जाएंगी। महिलाओं के विरुद्ध अपराध जैसी सामाजिक बुराइयों को भी उनके कुछ भाषणों में प्रमुखता से उठाया गया है और स्वच्छता तथा महिलाओं व पारंपरिक रूप से वंचित समुदायों के सशक्तीकरण के लिए उनके प्रयासों का भी प्रमुखता से उल्लेख किया गया है।

राजनीतिक पर्यवेक्षक विदेश नीति के मोर्चे पर उनके किसी भी संकेत का बेसब्री से इंतजार करेंगे, ऐसे समय में जब भारत और अमेरिका के बीच आमतौर पर मजबूत रहे रिश्ते इस समय तनाव में हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम में मध्यस्थता के ट्रंप के बार-बार किए जा रहे दावों और व्यापार को लेकर भारत पर दबाव बनाने के लिए टैरिफ के इस्तेमाल के कारण रिश्तों में तनाव आ गया है।

संसद का मानसून सत्र जारी है और विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही अवरुद्ध है। विपक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग की है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रधानमंत्री चुनावी धांधली के विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हैं या नहीं।

मोदी के स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ उनकी सरकार का कड़ा रुख भी प्रमुख रहा है और इस साल भी कुछ अलग होने की संभावना नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के लिए नागरिकों से सुझाव मांगे थे, और यह उत्सुकता से देखा जाएगा कि क्या इनमें से कुछ सुझाव उनके भाषण में शामिल होते हैं।

मकान क्षतिग्रस्त, 396 सड़कें बंद: हिमाचल में अचानक बाढ़ और भूस्खलन से तबाही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। यहां 396 सड़कें बाधित हैं, अनेक मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, वाहन बह गए हैं और शिमला की कई पंचायतों से संपर्क टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की जनहानि की खबर नहीं है।

बुधवार रात से कंडाघाट में 100 मिमी, जत्तन बैराज में 87 मिमी, ऊना में 85.4 मिमी, सोलन में 81.4 मिमी, ओलिंडा में 76 मिमी, शिलारू में 73 मिमी, शिमला में 69 मिमी, कुफरी में 66 मिमी, जुब्बरहट्टी में 65.2 मिमी, कसौली में 62 मिमी, कोठी में 61.2, मुराई देवी में 51.8 और धर्मपुर में 50.2 मिमी बारिश हुई है। स्थानीय मौसम कार्यालय ने 20 अगस्त तक राज्य में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। बुधवार शाम को शिमला, कुल्लू, किन्नौर और लाहौल एवं स्पीति जिलों में कई स्थानों पर बादल फटने और अचानक बाढ़ आने की घटनाएं हुईं। बुधवार रात को कुल्लू जिले के निरमंड उपमंडल में श्रीखंड पहाड़ी पर, बंजार उपमंडल में तीर्थन घाटी की बाथाढ़ पहाड़ी पर तथा शिमला के रामपुर क्षेत्र में नंती में बादल फटने की घटना हुई। अधिकारियों ने कहा, श्रीखंड पहाड़ी पर बादल फटने के कारण कुर्पन घाटी में बाढ़ आ गई और प्रशासन ने बागीपुल बाजार को तुरंत खाली करा लिया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थन नदी के किनारे बनी कुछ झोपड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं और कुछ वाहन बह गए।

भोपाल की बड़ी झील डल झील से कम आकर्षक नहीं, और विकसित किया जाएगा : मुख्यमंत्री यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भोपाल की बड़ी झील कश्मीर की प्रसिद्ध डल झील से कम खूबसूरत नहीं है तथा शिकारा सेवा शुरू कर इसे पर्यटकों के आकर्षण के रूप में और विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भारतीय सशस्त्र बलों के पराक्रम को समर्पित अभियान 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत सुरम्य मानव निर्मित झील में नौकाओं में 'जल तिरंगा यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, भोपाल की बड़ी झील कश्मीर की डल झील से कम नहीं है तथा इसे पर्यटन विभाग की मदद से शिकारा सेवा शुरू कर आगे और विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वाटर स्पोर्ट्स' समेत सभी श्रेणियों में ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेल जैसे अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीतने के उद्देश्य से राज्य में खेल गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में 'वाटर स्पोर्ट्स' खिलाड़ियों और विद्यार्थियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भोपाल की महापौर मालती राय और पार्टी की भोपाल इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र यति उपस्थित थे। इससे पहले, बुधवार को मुख्यमंत्री के सरकारी आवास परिसर में यादव की अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। इस यात्रा में मुख्यमंत्री सचिवालय और आवास में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी और दीदी कैफे की दीदियां शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्म श्री संस्था द्वारा आयोजित यात्रा में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दुनिया देश की वीरता और सशस्त्र बलों के बहादुर बेटों से परिचित हुई है। यादव ने भोपाल के दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा फहराकर शौर्य स्मारक से शुरू हुई विशाल तिरंगा यात्रा को भी हरी झंडी दिखाई। इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व विधायक भगवानदास सबनानी करते हैं। शौर्य स्मारक से भारत माता चौक तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने दोपहिया वाहनों पर सवार होकर भाग लिया।

एनपीसीआई धोखाधड़ी पर लगाम लगाने को लेकर यूपीआई भुगतान अनुरोध की सुविधा बंद करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के लिए भुगतान ऐप के जरिये पैसा मांगने के अनुरोध की सुविधा बंद करेगा। बैंकों और भुगतान ऐप से एक अक्टूबर से यूपीआई के जरिये व्यक्तियों के बीच (पी2पी) 'कलेक्शन' यानी भुगतान अनुरोध की सुविधा बंद करने का कहा गया है। एनपीसीआई ने 29 जुलाई को जारी एक परिपत्र में कहा कि एक अक्टूबर, 2025 से यूपीआई में पी2पी 'कलेक्शन' की प्रक्रिया की अनुमति नहीं होगी।

इसका मतलब है कि बैंकों और भुगतान ऐप से 'कलेक्शन' अनुरोध की सुविधा उक्त तिथि से पूरी तरह से हटा दी जाएगी। पी2पी सुविधा का उपयोग अन्य यूपीआई ऐप उपयोगकर्ताओं को पैसे के लिए अनुरोध भेजने के लिए किया जाता है। इससे उन्हें राशि साझा करने की याद दिलाई जाती है। हालांकि, इस सुविधा का उपयोग धोखाधड़ी करने वाले यूपीआई उपयोगकर्ताओं को धोखा देने के लिए कर रहे हैं। एनपीसीआई ने कहा, सभी सदस्य बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं और यूपीआई ऐप को अपनी प्रणाली और परिचालन प्रक्रियाओं में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एक अक्टूबर, 2025 के बाद यूपीआई पर कोई भी पी2पी 'कलेक्शन' से जुड़ा लेनदेन शुरू या प्रसंस्कृत न हो। इस निर्णय का मतलब है कि सभी सदस्य बैंक और यूपीआई ऐप (फोनपे, गूगल पे और पेटीएम आदि) इस समय सीमा के बाद पी2पी कलेक्शन लेनदेन का प्रसंस्करण नहीं कर पाएंगे।

शुभांशु शुक्ला के सप्ताहांत तक भारत आने की संभावना : जितेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि अंतरिक्ष में कदम रखने वाले भारत के दूसरे और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले देश के पहले अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के इस सप्ताहांत भारत आने की संभावना है।

सिंह ने बताया कि शुक्ला अपने दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। इसके बाद वह अपने परिवार से मिलने लखनऊ जाएंगे। मंत्री ने कहा कि शुक्ला 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली लौटेंगे। शुक्ला 'एक्सिओम-4' निजी अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा थे जो 25 जून को फ्लोरिडा से रवाना हुआ और 26 जून को आईएसएस से जुड़ा। उन्होंने अमेरिका की पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज उजनांस्की-विस्निवस्की और हंगरी के टिबोर कापु के साथ 18 दिन के मिशन के दौरान 60 से अधिक प्रयोग और 20 जनसंपर्क सत्र किए। 'एक्सिओम-4' मिशन का चालक दल लेकर जा रहा 'ड्रैगन' अंतरिक्ष यान 15 जुलाई को सैन डिएगो तट के पास प्रशांत महासागर में उतरा जिससे मिशन का सफल समापन हुआ। यह मिशन भारत के मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है जिसका प्रक्षेपण 2027 तक करने का लक्ष्य तय किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मिशन की सराहना करते हुए कहा था कि शुक्ला ने एक अरब सपनों को प्रेरित किया है और भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल देगा महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक : पवार

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल देगा। वह यहां उस विधेयक का विरोध करने के लिए आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे जिसे महाराष्ट्र विधानमंडल के मानसून सत्र में दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था।

पवार ने माना कि जब पिछले महीने भाजपा नीत सरकार ने विधेयक को पहली बार विधानसभा में पेश किया था, तब इसका प्रभावी ढंग से विरोध नहीं किया गया, लेकिन उन्होंने कहा कि विधान परिषद में आवश्यक कदम उठाया गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि ''प्रतिगामी ताकतें न्यायपालिका में घुसपैठ कर रही हैं। इस अवसर पर शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र विशेष जन सुरक्षा विधेयक में राजद्रोह का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई संदर्भ होता, तो उनकी पार्टी उसका समर्थन करती।

साइबर जुझारूपन के लिए क्षमता निर्माण पर लगातार जोर देना जरूरी: सेबी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रतिभूति बाजार में साइबर जुझारूपन और घटनाओं से निपटने की पेशेवरों की क्षमता को मजबूत बनाने के लिए लगातार क्षमता निर्माण कार्यक्रम चलाने जरूरी हैं।

पांडेय ने सेबी-विनियमित संस्थाओं के लिए 'राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान' में आयोजित एक साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम में कहा कि क्षमता निर्माण कोई एकबारगी प्रक्रिया या औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह सीखने, लगातार सुधार करने और बदलते खतरों के अनुरूप ढलने की सतत प्रक्रिया है। उन्होंने आगाह किया कि छोटी-सी तकनीकी खामी के भी गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी एल्गो ट्रेडिंग व्यवस्था में छोटी गड़बड़ी भी होने से पल भर में बाजार में उथलपुथल मच सकती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि 2012 में अमेरिका की नाइट कैपिटल कंपनी के नए सॉफ्टवेयर में पुराना कोड रह जाने से 45 मिनट में ही अरबों डॉलर के गलत लेनदेन हो गए थे जिससे कंपनी को 44 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ और बाद में उसका पतन हो गया। सेबी प्रमुख ने कहा कि साइबर हमले अब अलग-थलग घटना नहीं रह गए हैं और अगले दशक में इनकी गिनती शीर्ष पांच वैश्विक खतरों के रूप में की गई है। उन्होंने शेयर बाजार, समाशोधन निगम और डिपॉजिटरी जैसी 'राष्ट्रीय महत्व की बुनियादी संरचनाओं' की साइबर सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि इनका सुचारू संचालन पूंजी निर्माण, निवेशक भरोसे और आर्थिक स्थिरता के लिए आवश्यक है। पांडेय ने कहा कि तेजी से बदलते साइबर सुरक्षा परिदृश्य में 'रोकथाम इलाज से कहीं सस्ता' है और प्रौद्योगिकी जितनी अहम है, उतना ही जरूरी मानवीय सतर्कता है।

नागरिक कर्तव्यों का पालन करना भी देशभक्ति : दिल्ली की मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि नागरिक कर्तव्यों का पालन करना, कूड़ा-कचरा फैलाने से बचना और सड़क सुरक्षा के लिए हेलमेट का इस्तेमाल करना जैसे छोटे-छोटे कार्य भी देशभक्ति दर्शाते हैं। दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत गुप्ता ने सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह और मुख्य सचिव धर्मेंद्र के साथ 'कनॉट प्लेस' में हेलमेट के इस्तेमाल पर जोर देने के लिए एक कार्यक्रम में भाग लिया। गुप्ता ने कहा, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, आइए हम सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और अपने शहर में स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लें। युवाओं से सड़क सुरक्षा उपायों का पालन करने का आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ही देश को आगे ले जाएंगे, इसलिए दोपहिया वाहन चलाने या उस पर सवार होते समय हेलमेट पहनें और उसका फीता ठीक से बांधे ताकि हैलमेट सही तरह से बंधा रहे।

एसएंडपी ने 19 साल बाद भारत की साख को बढ़ाकर 'बीबीबी' किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। साख निर्धारित करने वाली एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने बृहस्पतिवार को भारत की साख को स्थिर परिदृश्य के साथ बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया। रेटिंग एजेंसी ने मजबूत आर्थिक वृद्धि, राजकोषीय मजबूती के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और महंगाई को काबू में लाने के लिए बेहतर मौद्रिक नीति उपायों का हवाला देते हुए 19 साल बाद भारत की रेटिंग बढ़ायी है।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा, भारत दुनिया में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है...पिछले पांच-छह साल में सरकारी खर्च की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। एसएंडपी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी शुल्क का असर प्रबंधन के दायरे में होगा। भारत पर अगर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया जाता है तो इससे वृद्धि पर कोई बड़ा असर पड़ने की आशंका नहीं है।

एजेंसी ने कहा, भारत व्यापार पर अपेक्षाकृत कम निर्भर है और इसकी लगभग 60 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि घरेलू खपत से आती है।

अमेरिकी एजेंसी की रेटिंग में यह सुधार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत को 'मृत अर्थव्यवस्था' कहे जाने के कुछ दिन बाद आया है।

ट्रंप ने 27 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर अबतक का सबसे अधिक 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की है।

दुर्लभ खनिज के मुद्दे पर चीन के साथ बातचीत शुरू: अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने दुर्लभ खनिज के निर्यात पर चीन की तरफ से लगाई गई पाबंदियों पर चीनी अधिकारियों से बातचीत शुरू कर दी है और घरेलू कंपनियों को चीन की यात्रा के लिए वीजा भी जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चीन की सरकार ने अप्रैल में सात दुर्लभ खनिज तत्वों और उनसे बने चुंबक के निर्यात के लिए विशेष लाइसेंस को अनिवार्य कर दिया था। इनमें सैमेरियम, गैडोलिनियम, टर्बियम, डिस्प्रोसियम और ल्यूटेटियम जैसे महत्वपूर्ण तत्व शामिल हैं।

आवारा कुत्तों से जुड़ी सारी समस्या स्थानीय अधिकारियों की 'निष्क्रियता' के कारण : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों की सारी समस्या स्थानीय अधिकारियों की ''निष्क्रियता'' के कारण है, जिन्होंने इस मामले में ''कुछ नहीं'' किया।

आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने का आदेश देने वाली पीठ के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए एक नई पीठ का गठन किया गया है। इस पीठ में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया शामिल हैं।

तीन न्यायाधीशों की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अन्य वकीलों और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद, इस मामले में 11 अगस्त के एक अलग पीठ के फैसले पर रोक लगाने के अनुरोध वाली अंतरिम याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। एक स्वत: संज्ञान मामले में न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने 11 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के अधिकारियों से सभी आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था। पीठ ने अधिकारियों से शुरुआत में 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने को कहा था। हालांकि, तीन न्यायाधीशों की पीठ ने बृहस्पतिवार को टिप्पणी की, पूरी समस्या स्थानीय अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण है। आप संसद में नियम बनाते हैं। सरकार काम करती है, नियम बनाए जाते हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन नहीं होता, जिससे आज भी समस्या बनी हुई है। शीर्ष अदालत ने आगे कहा, एक ओर, इंसान पीड़ित हैं और दूसरी ओर, पशु प्रेमी चाहते हैं कि जानवरों के साथ भी सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। पीठ ने कहा कि भारतीय पशु कल्याण बोर्ड, स्थानीय अधिकारियों और सरकार ने इस मामले में कुछ नहीं किया।

अदालत ने कहा, एनजीओ बहुत शोर मचाते हैं, लेकिन उन्हें पता ही नहीं है कि उन्हें असल में क्या करना चाहिए। उन्हें इन नियमों (पशु जन्म नियंत्रण नियम) के क्रियान्वयन के लिए पहले ही यहां आ जाना चाहिए था। कुछ नहीं हो रहा है। अदालत ने कहा कि जो भी व्यक्ति अदालत में आया है और जिसने भी हस्तक्षेप के लिए याचिका दायर की है, उसे जिम्मेदारी लेनी होगी। मेहता ने देश में कुत्तों के काटने के आंकड़ों का हवाला दिया और कहा कि यह एक ऐसा मुद्दा है जिसका समाधान किया जाना चाहिए, न कि इस पर विवाद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, बच्चे मर रहे हैं, कृपया ध्यान दें, मूक पीड़ित बहुसंख्यक दृष्टिकोण के बजाय मुखर अल्पसंख्यक दृष्टिकोण पर गौर करें। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 2024 में भारत में कुत्तों के काटने के लगभग 37.15 लाख मामले सामने आए, अर्थात प्रतिदिन लगभग 10,000 मामले।

चौहान ने राज्यों से यूरिया का दुरुपयोग रोकने, नकली उर्वरकों की बिक्री पर अंकुश लगाने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चालू खरीफ बुवाई सत्र में यूरिया की बढ़ती मांग को देखते हुए, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सरकारों से इस प्रमुख उर्वरक का गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग रोकने तथा नकली उर्वरकों की बिक्री पर अंकुश लगाने को कहा। राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ एक वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए, चौहान ने उन्हें यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि बाजार में केवल 600 प्रमाणित जैव-उत्तेजक ही बेचे जाएं, जबकि पहले 30,000 अप्रमाणित उत्पाद बेचे जाते थे। एक सरकारी बयान में कहा गया, चौहान ने सभी राज्य कृषि मंत्रियों से निगरानी समितियां बनाकर और निगरानी तंत्र को मजबूत करके यूरिया का उचित उपयोग सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

मंत्री ने यूरिया की बढ़ती मांग के दो मुख्य कारणों की पहचान की। पहला, अच्छी बारिश के कारण चावल, मक्का और अन्य फसलों की अधिक बुवाई, और दूसरा, गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए यूरिया का संभावित दुरुपयोग। चौहान ने आगाह किया, अगर मांग वाकई कृषि ज़रूरतों के लिए है, तो यूरिया की आपूर्ति ज़रूर की जाएगी और मंत्रालय इस पर तेज़ी से काम कर रहा है। हालांकि, अगर दुरुपयोग का कोई संदेह है, तो इसे एक गंभीर मामला माना जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चेन्नई में आंदोलनकारी सफाई कर्मियों को हटाया गया, विपक्ष ने सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में नगर निगम के मुख्यालय रिपॉन बिल्डिंग के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे सफाई कर्मियों को पुलिस ने बुधवार देर रात हटा दिया, जिसकी विपक्ष ने तीखी आलोचना की। मद्रास उच्च न्यायालय के एक बयान के कुछ घंटों बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की। उच्च न्यायालय ने कहा था, हमें उम्मीद है कि आंदोलन के नाम पर फुटपाथ/रास्तों को अवरुद्ध नहीं होने दिया जाएगा। पुलिस कर्मचारियों को हटाने के बाद वाहनों में दूसरी जगह ले गई।

सफाई कर्मचारी सफाई कार्यों के निजीकरण का विरोध करते हुए एक अगस्त से यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के प्रमुख और तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ई. के. पलानीस्वामी और टीवीके के संस्थापक व अभिनेता विजय ने पुलिस कार्रवाई को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना की।

मुख्यमंत्री राज्यपाल की 'चाय पार्टी' में नहीं होंगे शामिल : तमिलनाडु सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन स्वतंत्रता दिवस पर राज्यपाल आर एन रवि द्वारा आयोजित चाय पार्टी में शामिल नहीं होंगे। राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा 'एट होम रिसेप्शन' का बहिष्कार राज्यपाल के प्रति विरोध प्रदर्शित करने के लिए किया है, जो तमिलनाडु के लोगों के हितों के विरुद्ध कार्य करते हैं।'

सरकार ने कहा कि इसके अलावा, तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेझियान राज्यपाल का विरोध करने के लिए 18 और 19 अगस्त को आयोजित होने वाले राज्य सरकार के दो विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों का बहिष्कार करेंगे।

केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने चेन्नई में हर घर तिरंगा रैलियों में भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 14 अगस्त को चेन्नई में आयोजित हर घर तिरंगा रैलियों में भाग लिया। उन्होंने चेन्नई के अवाडी में सैकड़ों लोगों के साथ एक रैली का नेतृत्व किया। रैली की शुरुआत में उन्होंने डॉ. बी.आर. अंबेडकर और के. कामराज की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने कहा कि 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तिरंगा रैली का आयोजन देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने और उनके बलिदान को याद करने के लिए किया गया था।

मंत्री महोदय ने कहा कि 2014 से देश ने सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट विकास देखा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के मामले में, भारत हाल ही में ब्रिटेन को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और 2047 तक, जब भारत अपना 100वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाएगा, तब तक यह एक विकसित महाशक्ति बन चुका होगा।

डॉ. मुरुगन ने पिछले 11 वर्षों की कई उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिनमें 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालना, 80 करोड़ लोगों को मासिक मुफ्त राशन प्राप्त करना, गरीबों के लिए 4 करोड़ घरों का निर्माण और जल जीवन मिशन के तहत घरों में पाइप पेयजल की व्यवस्था शामिल है।

उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति और स्वदेशी रक्षा उपकरणों की उत्कृष्टता देखी, जिसमें भारतीय सैनिकों का पराक्रम देखने को मिला। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले रक्षा उपकरण आयात करने वाला भारत अब कई देशों को निर्यात करता है। उन्होंने 1.51 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन को देश की उपलब्धियों में से एक बताया।

वोट चोरी : कांग्रेस ने 'चौंदेरी' पर भाजपा के दावे को खारिज किया, कहा- यह कई मकानों में प्रचलित नाम है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इस दावे को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया कि कलपेट्टा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 41 में 'चौंदेरी' नामक एक मकान में कई धर्मों के मतदाता पंजीकृत हैं। कांग्रेस ने कहा कि पार्टी एक स्थान के नाम का जिक्र कर रही है और उस क्षेत्र में कई मकानों के नाम एक ही होते हैं। भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि प्रियंका गांधी की केरल की वायनाड लोकसभा सीट के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की रायबरेली एवं कन्नौज तथा पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर संसदीय क्षेत्रों में मतदाता पंजीकरण में अनियमितताएं हुई हैं। भाजपा ने राहुल गांधी, प्रियंका, अभिषेक बनर्जी और अखिलेश यादव से लोकसभा सदस्य के पद से इस्तीफा देने का आह्वान किया और आरोप लगाया कि उन्होंने 'वोट चोरी' के जरिए जीत हासिल की है।

कांग्रेस नेता और वायनाड जिला पंचायत अध्यक्ष शमशाद मरक्कर ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा नेता अनुराग ठाकुर का यह दावा कि एक हिंदू और एक मुसलमान एक ही घर में रहते हैं, गलत है। मरक्कर ने कहा, ''उन्होंने जिस मुद्दे का जिक्र किया है, वह मेरे अपने गृहनगर से जुड़ा है। इस जगह को कभी चामुंडेश्वरी कुन्नू के नाम से जाना जाता था, लेकिन धीरे-धीरे वर्षों बाद इसे 'चौंदेरी' या 'चौंदेरी कुन्नू' कहा जाने लगा।''

उन्होंने दावा किया कि उस इलाके में हिंदू, ईसाई और मुसलमान सभी अपने परिवार के नाम के तौर पर 'चौंदेरी' या 'चौंदेरी कुन्नू' का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, ''इसका यह मतलब नहीं कि वे सभी एक ही घर में रहते हैं। ऐसी मूर्खतापूर्ण धारणा नहीं बनानी चाहिए।'' मरक्कर ने कहा, ''जैसा कि आपने बताया, 'चौंदेरी कुन्नू' नाम का इस्तेमाल करने वाले न सिर्फ हिंदू और मुसलमान हैं, बल्कि ईसाई भी हैं। अजा और अजजा के लोग भी इस नाम का इस्तेमाल करते हैं। हमारी भूमि ऐसी ही है, श्रीमान।'' सूची में शामिल मतदाताओं के रिश्तेदारों ने भी कहा कि 'चौंदेरी' हिंदू देवी चामुंडेश्वरी के नाम से प्रेरित एक जगह का नाम है, न कि किसी घर का नाम।

केरल के कॉलेज में एबीवीपी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया, एसएफआई से हुई झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड। केरल के राज्यपाल द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों को 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने का निर्देश दिये जाने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध छात्र संगठन एबीवीपी ने बृहस्पतिवार को यहां एक कॉलेज में यह दिवस मनाया, जिससे उसकी माकपा समर्थित एसएफआई के साथ झड़प हो गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने एक सरकारी कॉलेज में इस दिवस को लेकर पोस्टर लगाए, जिसके बाद स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में विरोध के लिए पहुंचे।

टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों के अनुसार, दोनों समूहों के बीच झड़प हुई और एबीवीपी द्वारा लगाए गए पोस्टर फाड़ दिए गए। पुलिस ने लड़ाई रोकने के लिए बीच-बचाव किया। एसएफआई ने कॉलेज परिसर के बाहर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर का पुतला भी फूंका। राजभवन के अनुसार, अर्लेकर ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर राज्य विश्वविद्यालयों में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने के लिए एक परिपत्र जारी किया था।

राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के तौर पर राज्यपाल ने इस दिवस को मनाने के लिए सेमिनार आयोजित करने और उससे संबंधित कार्ययोजना भेजने के निर्देश कुलपतियों को दिए थे। इस निर्देश का विरोध करते हुए वाम मोर्चे की सरकार ने स्पष्ट कर दिया था कि विश्वविद्यालयों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता नहीं है। विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने कहा था कि वह राज्य में किसी भी ऐसे कार्यक्रम का आयोजन नहीं होने देगा। वाम मोर्चा और यूडीएफ दोनों ने आरोप लगाया कि राज्यपाल का यह निर्देश लोगों और देश को बांटने की कोशिश है।

प्रशंसकों ने अभिनय की दुनिया में रजनीकांत के 50 साल पूरे होने का जश्न मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता रजनीकांत के अदाकारी की दुनिया में कदम रखने के 50 साल पूरे होने के मौके पर उनके प्रशंसकों ने बृहस्पतिवार को ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया और मिठाई व केक बांटा। इसी के साथ दिग्गज अभिनेता की नयी फिल्म 'कुली' ने भी सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। रजनीकांत ने के बालाचंदर की तमिल फिल्म अपूर्व रागंगल' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जो 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में कमल हासन, सुंदरराजन, श्रीविद्या और जयासुधा ने भी अहम किरदार निभाए थे।

लोकेश कनगराज निर्देशित 'कुली' में

रजनीकांत को कुली के नये अवतार में देखने के लिए सिनेमाघरों में भीड़ उमड़ पड़ी। इस फिल्म में वह अपने विशिष्ट अंदाज में बुरे लोगों से लोहा लेते नजर आएंगे।

चेन्नई के रोहिणी में सिनेमाघरों के बाहर जुटी भारी भीड़ 'कुली' की रिलीज से खुशी से झूम उठी। प्रशंसकों ने आयोजन स्थल पर रंग-बिरंगे फूलों की वर्षा की और ढोल की थाप पर नृत्य किया, जिससे माहौल उत्सव में बदल गया।

बताया जाता है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को कुली' की विशेष स्क्रीनिंग देखी। इस फिल्म का निर्माण 'सन पिक्चर्स' ने किया है। कनगराज ने सोशल मीडिया पर एक संदेश में कहा, मुख्यमंत्री सर, 'कुली' सर के लिए आपकी शुभकामनाओं और प्यार के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। अभिनेता धनुष और शिवकार्तिकेयन उन तमिल सितारों में शामिल थे, जिन्होंने यहां पहले दिन फिल्म देखी। तंजावुर में विजया थिएटर और आठ अन्य सिनेमाघरों के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई। प्रशंसकों ने रजनीकांत जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए जुलूस भी निकाला। प्रशंसकों ने सुपरस्टार के 'कटआउट' लगाकर उस पर दूध चढ़ाया, दीये जलाए, नारियल फोड़े और पटाखे जलाए। सिने जगत में रजनीकांत के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक केक भी काटा गया।कर्नाटक में भी ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जहां राजधानी बेंगलूरु में रजनीकांत की नयी फिल्म के पहले दिन के पहले शो के लिए मुकुंदा थिएटर के बाहर जुटी प्रशंसकों की भारी भीड़ ने विशाल रैली निकाली।

साल 1975 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिलीज हुई फिल्म 'अपूर्व रागंगल' में रजनीकांत ने एक छोटी-सी भूमिका निभाई थी। रजनीकांत का जन्म 12 दिसंबर 1950 को बेंगलूरु में हुआ था और उनका असली नाम शिवाजी राव गायकवाड़ है। उन्होंने मद्रास फिल्म संस्थान से अभिनय का कोर्स करने से पहले बस कंडक्टर के रूप में काम किया था। वह कई हिंदी फिल्मों में भी अभिनय कर चुके हैं।

कानून के समक्ष सब बराबर हैं : राम्या ने दर्शन की जमानत रद्द किये जाने पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अभिनेत्री राम्या उर्फ दिव्या स्पंदना ने रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन और पवित्रा गौड़ा को दी गई जमानत रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह एक कड़ा संदेश है कि कानून के समक्ष सभी समान हैं।

राम्या ने इंस्टाग्राम पर लिखा, रेणुकास्वामी हत्या मामले में दर्शन और अन्य की जमानत रद्द करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले से एक

कड़ा संदेश गया है- कानून के सामने सभी समान हैं। उन्होंने लोगों से न्याय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, उचित प्रक्रिया का पालन करें, न्याय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखें। यह लंबा और कठिन है, लेकिन सुरंग के अंत में रोशनी जरूर होती है। कानून को अपने हाथ में न लें, न्याय जरूर मिलेगा। सबसे जरूरी बात, अपनी अंतरात्मा के प्रति सच्चे रहें। इससे पहले दिन में न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के जमानत देने के आदेश को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि इसमें ''कई त्रुटियां'' हैं। शीर्ष अदालत ने अधिकारियों को दर्शन और अन्य आरोपियों को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया और मुकदमे को शीघ्रता से चलाने का आदेश दिया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को जून 2024 में तीन दिन तक यातना दी। बाद में उसका शव एक नाले से बरामद किया गया।

रजनीकांत को सिनेमा में 50 साल पूरे करने पर कमल हासन एवं अन्य लोगों ने शुभकामनाएं दीं

बेंगलूरु/नई दिल्ली। अभिनेता रजनीकांत के सिनेमा में 50 साल पूरे होने के मौके पर साथी कलाकारों ने उन्हें मुबारकबाद दी। अदाकारी की दुनिया में रजनीकांत के 50 साल पूरे होने के मौके पर उनकी नई फिल्म कुली' भी रिलीज हुई है। रजनीकांत ने के. बालाचंदर की तमिल फिल्म अपूर्व रागंगल से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, जो 15 अगस्त 19%5 को रिलीज़ हुई। इस फिल्म में कमल हासन, सुंदरराजन, श्रीविद्या और जयासुधा ने भी अभिनय किया। रजनीकांत के साथ उनकी पहली फिल्म में काम करने वाले कमल हासन ने सोशल मीडिया पर कहा, सिनेमा में आधी सदी का शानदार योगदान। मेरे प्रिय मित्र रजनीकांत आज सिनेमा में शानदार 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। मैं कामना करता हूं कि उनकी नई फिल्म 'कुली' को स्वर्ण जयंती वर्ष में जबरदस्त वैश्विक सफलता मिले।

अभिनेता मोहनलाल ने भी कहा, पर्दे पर बेजोड़ करिश्मा, समर्पण और जादू के पचास साल! इस यादगार उपलब्धि के लिए एकमात्र रजनीकांत सर को बधाई। 'कुली' और आगे भी कई यादगार पलों के लिए शुभकामनाएं। अभिनेता ममूटी ने एक्स' पर कहा, सिनेमा में 50 शानदार साल पूरे करने पर प्रिय रजनीकांत को हार्दिक बधाई। आपके साथ स्क्रीन

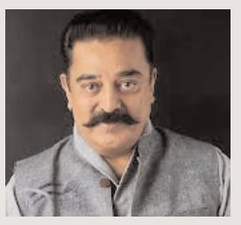

साझा करना वास्तव में सम्मान की बात थी। आपको 'कुली' के लिए शुभकामनाएं। हमेशा प्रेरित करते रहें और चमकते रहें। उन्होंने 1991 में आई फिल्म थलपथी में रजनीकांत के साथ काम किया था। कुली के निर्देशक लोकेश कनगराज ने कहा, मैं तहे दिल से आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने हम सभी को लगातार प्रेरित किया है और आपको 50 गौरवशाली वर्षों की हार्दिक बधाई, जिसमें आपने हमें प्यार करना सिखाया, हमने आपसे सीखा, और आपके साथ बड़े हुए! ऋतिक रोशन ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट के साथ रजनीकांत को बधाई दी। उनकी फिल्म 'वॉर 2' सुपरस्टार की 'कुली' के साथ रिलीज हुई है। रोशन ने 1986 में आई फिल्म 'भगवान दादा' में रजनीकांत के साथ बाल कलाकार के तौर पर काम किया था। रोशन ने सुपरस्टार को 'अपना शिक्षक' बताया। उन्होंने कहा, एक अभिनेता के रूप में मैंने अपने पहले कदम आपके साथ रखे। आप मेरे पहले शिक्षकों में से एक थे, रजनीकांत सर, और आज भी मेरे लिए प्रेरणा और आदर्श बने रहेंगे। पर्दे पर जादू के 50 साल पूरे करने पर बधाई! अभिनेता शिवकार्तिकेयन ने अभिनेता धनुष और प्रियंका मोहन के साथ कुली की स्क्रीनिंग में शामिल हुए थे। उन्होंने भी सुपरस्टार के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की।

राजस्थान सरकार बीएसएफ कार्मिकों को आवश्यक सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अदम्य, शौर्य एवं साहस के साथ देश की सीमा पर मुस्तैद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक बताते हुए आश्वस्त किया है कि राज्य सरकार बीएसएफ कार्मिकों एवं उनके परिवारजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा 79वें स्वतंत्रता दिवस से पूर्व बीकानेर में खाजूवाला के कोडेवाला आउट पोस्ट (सीमा चौकी) पर बीएसएफ के जवानों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवान अपने अदम्य शौर्य, साहस और बल से बर्फीली वादियों-तपते मरुस्थल सहित देश के हर कोने में दिन-रात मुस्तैदी से सीमाओं की सुरक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ अनुशासित एवं देश सेवा में समर्पित दुनिया के सबसे बड़े सीमा रक्षक बलों में से एक है। वे हमारी सीमा पर तस्करी, घुसपैठ जैसे अपराधों को भी मुस्तैदी के साथ नाकाम कर रहे हैं।

उन्होंने बीएसएफ जवानों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीएसएफ जांबाजों के बीच आकर उन्हें अत्यधिक प्रसन्नता एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल एक दिसंबर 1965 को अपनी स्थापना से ही भारत-पाकिस्तान एवं भारत-बंगलादेश की दुर्गम सीमाओं पर देश की सुरक्षा कर रहा है। बीएसएफ ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय अद्भुत कार्य किया। उन्होंने जवानों को ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने के लिए भी बधाई दी। शर्मा ने कहा कि बीएसएफ का स्थानीय लोगों, संस्थाओं तथा प्रशासन के साथ तालमेल बना रहता है तथा वे सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। बीएसएफ जवान युवाओं में नशे के दुष्प्रभाव, कुरीतियों के प्रति जागरूकता, विभागीय भर्तियों के लिए प्रोत्साहित करने जैसे कार्यक्रमों से सीमावर्ती आबादी को लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ ने हाल में मरुभूमि में साढ़े छह लाख पौधे लगाकर पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र को बेहतर बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सामाजिक सरोकार की दिशा में देशभर में स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओ-बेटी पढाओ अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान संचालित किए गए। उसी से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार द्वारा मिशन हरियालो राजस्थान शुरू किया गया है, जिसमें इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया था जिसमें से 9 करोड़ 12 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेना के साथ ही अर्द्ध सैनिक बलों के आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। जिससे आज हम रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को काफी मजबूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे मजबूत सेनाओं में से एक भारतीय सेना है। सीमा सुरक्षा बल में पुरुष जवानों के साथ ही महिला जवान भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ काम कर रही हैं।

इस दौरान शर्मा ने कोडेवाला पोस्ट का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने पोस्ट पर एंटी ड्रोन सिस्टम तथा रक्षा उपकरणों की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए फल वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री को महिला प्रहरियों ने रक्षा सूत्र भी बांधे। इस अवसर पर केन्द्रीय कानून एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्य के पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक (राजस्थान फ्रंटियर) एम एल गर्ग, विधायक विश्वनाथ मेघवाल तथा अन्य जनप्रतिनिधि वरिष्ठ अधिकारी एवं बीएसएफ के जवान मौजूद थे।

भाजपा नहीं चाहती कि नयी पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागृत हो : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने छात्रसंघ चुनाव न कराने के संबंध में उच्च न्यायालय में दिए गए राज्य सरकार के जवाब पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आरोप लगाया कि पार्टी नहीं चाहती कि युवा पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागरूक हो। गहलोत ने भाजपा के रुख को दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय बताया और पार्टी पर युवाओं को लोकतांत्रिक भागीदारी से दूर करने का आरोप लगाया। राजस्थान सरकार ने बुधवार को उच्च न्यायालय को बताया था कि वह मौजूदा शैक्षणिक वर्ष में छात्रसंघ चुनाव नहीं करा पाएगी।

सरकार ने राजस्थान विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के एक छात्र की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में यह बात कही। सरकार ने कहा था कि विश्वविद्यालय के विभिन्न कुलपतियों से राय ली गई है, जिन्होंने कहा है कि छात्रसंघ चुनाव कराने से मौजूदा अकादमिक सत्र और नयी शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में बाधा आएगी।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, ''उच्च न्यायालय में सरकार के जवाब से स्पष्ट है कि भाजपा नहीं चाहती कि नयी पीढ़ी राजनीतिक रूप से जागृत हो और नया नेतृत्व तैयार हो सके। भाजपा की यह सोच बेहद निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।'' उल्लेखनीय है कि राज्य में आखिरी बार छात्र संघ चुनाव 2022 में हुए थे।

तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों और नयी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के मद्देनजर 2023 में चुनाव स्थगित कर दिए थे। भाजपा दिसंबर 2023 में सत्ता में आई, लेकिन 2024 में चुनाव नहीं हो सके। कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र राज्य सरकार से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। इस महीने की शुरुआत में, एनएसयूआई ने इस मांग को लेकर जयपुर में विरोध प्रदर्शन किया था।

दिगम्बर जैन मंदिर में प्राचीन मूर्ति एवं सोने चांदी के छत्र चोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र में मेला का चौराहा स्थित दिगम्बर जैन समाज नसिया जी मंदिर में चोर प्राचीन मूर्ति और सोने चांदी के छत्र चोरी करके ले गये। जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन ने बताया कि मंदिर के चौकीदार बनवारी लाल सैनी ने उन्हें सूचना दी कि मंदिर में चोरी हो गई है और उसके कमरे को बाहर से बंद करके चले गये हैं। इस सूचना पर मौके पर वह समाज के लोगों के साथ मौके पर पहुंचे तो देखा की मंदिर का दरवाजा टूटा हुआ है, जिसमें चांदी के 12 छत्र, एक चांदी का सिंहासन, छह भामण्डल, पाण्डुशिला, महावीर भगवान की प्रतिमा, अष्टधातु की एक पाषाण मूर्ति और अन्य सामान चोरी कर ले गये। उधर, सूचना मिलने पर थानाधिकारी राजेश मीना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटना की जांच की जा रही है।

राष्ट्र और राज्य की उन्नति के लिए सब मिलकर करें प्रयास : बागड़े

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने कहा है कि सभी को भाईचारा और सदभावना बनाये रखते हुए राष्ट्र और राज्य की उन्नति के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

बागड़े ने प्रदेशवासियों को स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई देते हुए स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर यह बात कही। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि सभी भाईचारा और सदभावना बनाये रखते हुए राष्ट्र और राज्य की उन्नति के लिए मिलकर प्रयास करें।

विभाजन भारतीय इतिहास की सबसे दर्दनाक घटना : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बृहस्पतिवार को 1947 के विभाजन को भारतीय इतिहास की सबसे दर्दनाक घटना बताया। उन्होंने कहा कि यह विभाजन केवल जमीन का ही नहीं, बल्कि दिलों और रिश्तों का भी विभाजन था, जिससे लाखों लोगों को विस्थापन, हिंसा और अलगाव के कारण भारी पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा, विभाजन केवल भूगोल का ही नहीं, बल्कि दिलों और परिवारों का भी हुआ था। यह त्रासदी हमें सिखाती है कि नफरत और उग्रवाद कभी भी किसी समाज में शांति नहीं ला सकते। हमारी असली ताकत हमारी एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक बंधनों में निहित है।

देवनानी ने विभाजन के बाद लाखों विस्थापित लोगों को शरण देने में राजस्थान की भूमिका के बारे में भी बात की।

उन्होंने कहा कि यह कदम 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मूल्यों के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देवनानी ने बताया कि उनके बुजुर्गों ने उन्हें विभाजन की दर्दनाक घटनाओं की कहानियां सुनाई थीं। उन्होंने कहा, आज भी, उस दर्दनाक समय के बारे में सोचकर मेरी रूह कांप जाती है।

उन्होंने लोगों से इतिहास से सीख लेने और प्रेम व गौरव के साथ राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया। उन्होंने विभाजन के दौरान पीड़ित सभी लोगों को श्रद्धांजलि दी। देवनानी ने सभी नागरिकों से यह सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया कि देश में विभाजनकारी विचारधाराएं फिर कभी न फैलें। उन्होंने कहा, हमें अपने देश को एकजुट रखने और प्रेम, करुणा और परस्पर सम्मान के मूल्यों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

भरतपुर शहर में पहले चरण के विकास कार्यों को समय-सीमा में करें पूरा : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर शहर के निवासियों की मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि के लिए जारी विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा बुधवार देर रात यहां मुख्यमंत्री कार्यालय में भरतपुर शहर के विकास कार्यों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भरतपुर शहर की आबादी और क्षेत्र के निरंतर विस्तार को देखते हुए जिला प्रशासन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप जन सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना बनाकर काम करें। उन्होंने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के मुख्य गेट के जीर्णोद्धार के साथ ही नया एंट्री प्लाजा बनाने की कार्ययोजना को मूर्त रूप दिया जाने के भी निर्देश दिए जिससे आने वाले पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने भरतपुर विकास प्राधिकरण को शहर में प्रथम चरण के तहत पांच प्रमुख चौराहों के सुदृढ़ीकरण और विकास कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रमुख तिराहों एवं चौराहों के सौन्दर्यीकरण को बढ़ाने के लिए स्थानीय पहचान के अनुरूप विशिष्ट मूर्तियां स्थापित करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों के पहले चरण में घना रोड एवं शीशम तिराहा रोड को यातायात की आवश्यकता के अनुसार विस्तार देकर ग्रीन रोड के रूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने शीशम तिराहे से हीरादास चौराहे तक, चांदपोल गेट से आरबीएम तक, आरबीएम से रीको ऑफिस तक, रेड क्रॉस से रेलवे स्टेशन तक, मानसिंह सर्किल से इकराम मोड़ तक, गणेश मंदिर से 13 नंबर स्कीम तक, चावंड से 13 नंबर स्कीम तक, बिजली घर चौराहे से सारस होटल तक, अनाह गेट से चारभुजा तक होने वाले रोड़ एवं डिवाइडर निर्माण, चौड़ाईकरण सहित फुटपाथ निर्माण, लाइट और यूटिलिटी डक विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। शर्मा ने भरतपुर कलक्ट्रेट, नगर निगम, अनाज मंडी, सरसों मंडी, जनाना अस्पताल, बस स्टैण्ड, बस डिपो के स्थानांतरण कार्य को गति प्रदान करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने जसवंत प्रदर्शनी मेला स्थल का कार्ययोजना बनाकर पुराने हैरिटेज के रखरखाव एवं विकास कार्य करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने शहर के कॉलेज ग्राउंड में ट्रैक शीघ्र तैयार करने सहित फुटबॉल प्रैक्टिस सुविधा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सुजान गंगा में गंदे पानी की आवक को रोकने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के लिए भी कहा। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग को भरतपुर शहर के प्रमुख स्थानों को चिह्नित कर भूमिगत केबल कार्य को प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शहर में मंदिर बिहारी जी, लक्ष्मण जी, गंगा मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों के पुनरुद्धार कार्य करने एवं जनसुविधाओं के विस्तार के निर्देश दिए। उन्होंने पर्यटकों की दृष्टि से शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साइकिल ट्रैक, पार्किंग एवं अन्य विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने, भरतपुर शहर के प्रमुख लिंक सड़कों पर विकास कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने एवं भरतपुर के मास्टर ड्रैनेज चरण प्रथम के कार्यों को पूर्ण गंभीरता से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बॉटनिकल पार्क, सैनिक स्कूल के लिए स्थान चिह्नित एवं झील का बाड़ा कैलादेवी मंदिर के विकास कार्यों को गति प्रदान करने तथा बीडीए अपने सीमा क्षेत्र की सम्पूर्ण लैंड बैंक तैयार करने के साथ नगर निगम को सड़कों के सुदृढ़ीकरण कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 की समीक्षा के लिए आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

जयपुर। राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 की समीक्षा व विभिन्न विभागों से सुझाव / विचार लिये जाने हेतु कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान के माध्यम से ह0च0मा0रीपा परिसर जयपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें महिला नीति से सबंधित कार्यकारी समूहों के विभागों के नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों, यूएन वीमन, यूनीसेफ, यूएनएफपीए के प्रतिनिधियों कार्यवर्ग के विशेषज्ञों, हितधारकों, विभिन्न आयोग के प्रतिनिधियों के सुझाव / विचार आमंत्रित किये गये।

कार्यशाला में विभागीय अधिकारियों द्वारा राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 के बारे में तथा कार्यकारी समूहों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। तत्पश्चात यूएन प्रतिनिधियों द्वारा महिला नीति की विश्लेषण रिपोर्ट तथा जेण्डर बजटिंग के प्रावधानों के बारे मे पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया गया। कार्यशाला में महिलाओं और बालिकाओं की स्वायत्तता, गरिमा और मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए लागू राजस्थान राज्य महिला नीति को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों एवं हितधारको से सुझाव आमत्रित किये गये। शिक्षा विभाग की नोडल अधिकारी ने बताया की महिला सशक्तिकरण हेतु लागू की गयी नवीन योजनाओं को भी कार्ययोजना में शामिल किया जावें।

ऊर्जा राज्यमंत्री ने किया जिला चिकित्सालय में ब्लड सेपरेशन यूनिट का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बूंदी जिले के स्वास्थ्य ढांचे को एक बड़ी मजबूती देते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं बूंदी जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार को जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक ब्लड कंपोनेंट एवं सेपरेशन यूनिट का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस यूनिट के शुरू होने से अब डेंगू, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को प्लाज्मा और प्लेटलेट्स जैसी जीवनरक्षक जरूरतों के लिए रेफर नहीं करना पड़ेगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर राज्यमंत्री नागर ने कहा कि सरकार आमजन को स्थानीय स्तर पर बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस यूनिट की स्थापना में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा दिए गए अहम योगदान को भी विशेष रूप से रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से न केवल मरीजों का समय बचेगा, बल्कि आर्थिक बोझ भी कम होगा।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वीकृत इस यूनिट की स्थापना और भवन के नवीनीकरण पर लगभग 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत आई हैं। अब तक, रक्त से जुड़े विशिष्ट घटकों की आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह सभी सुविधाएं जिला अस्पताल में ही सहज रूप से उपलब्ध होंगी। इस दौरान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. श्योजीलाल मीणा, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मीनारायण मीणा, पंचायत समिति सदस्य अर्चना कंवर, नूपुर मालव, राजकुमार श्रृंगी, कालूलाल जांगिड़, भरत शर्मा, ब्लड बैंक प्रभारी ऋषि कच्छावा, तकनीकी सहायक नारायण सिंह हाडा सहित शहर के कई गणमान्य नागरिक और चिकित्साकर्मी मौजूद रहें।

शिवराज सिंह चौहान ने की डॉ. किरोड़ी लाल की सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ यूरीया की उपलब्धता, विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी, प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और राष्ट्रीय खाद्यय तेल-तिलहन मिशन के तहत वीडियो कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा द्वारा आदान विनिर्माताओं, विक्रेताओं, जमाखोर एवं मिलावट करने वालों के खिलाफ गुणनियंत्रण अभियान चलाकर जो कार्यवाही की उसके लिए बधाई दी।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री का कहना है कि केंद्र सरकार कृषकों एवं पशुपालकों के हितों के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है। किसानों के हितों के साथ किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जायेगा। कृषक कल्याण के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 15 व 16 सितंबर को केंद्र सरकार द्वारा रबी कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रबी फसल की बुआई की रूप रेखा तैयार की जायेगी। इस कांफ्रेंस में सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों को भी आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि रबी फसलों के लिए खाद का आंकलन कर उर्वरकों की डिमांड समय पर केंद्र सरकार को भिजवाई जाये, जिससे उर्वरक मंत्रालय समय पर सप्लाई पूरी कर सके। यूरीया का गैर कृषि कार्यों, कालाबाजारी करने वालों, अमानक पेस्टिसाइड, अमानक उर्वरक निर्माताओं और विक्रेतों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें। केंद्रीय कृषि मंत्री ने टैगिंग करने वाले आदान निर्माताओं और विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा। विकसित कृषि संकल्प अभियान रबी फसल 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक चलाया जायेगा, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गांव-गांव जाकर कृषकों को फसलों की जानकारी दी जायेगी। जिससे हमारे कृषकों के उत्पादन में वृद्धि होगी और देश का कृषक आर्थिक स्थिति से मजबूत हो सकेगा। शिवराज सिंह चौहान ने प्राकृतिक खेती मिशन, प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना और राष्ट्रीय खाद्यय तेल-तिलहन मिशन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि दलहन तिलहन का आवश्यकता के अनुसार उत्पादन कर देश को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें।

बंगाल के बिना भारत को आजादी नहीं मिलती : ममता बनर्जी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि बंगाल न होता तो भारत को आजादी नहीं मिलती, क्योंकि रवींद्रनाथ टैगोर और सुभाष चंद्र बोस जैसी हस्तियां यहीं पैदा हुईं, जिन्होंने देश की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

'कन्याश्री' योजना की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक समारोह में बनर्जी ने कहा कि बंगाल आशा की किरण है जो विविधता में एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, अगर बंगाल नहीं होता, तो भारत को आजादी नहीं मिलती। बंगाल की माटी ने रवींद्रनाथ टैगोर, नजरूल इस्लाम और सुभाष चंद्र बोस जैसे प्रख्यात लोगों को जन्म दिया। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत और 'जय हिंद' का नारा बंगालियों की रचनाएं हैं। बनर्जी का यह बयान काफी मायने रखता है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस बंगाली अस्मिता के इर्द-गिर्द केंद्रित एक अभियान चला रही है और भाजपा शासित राज्यों पर पश्चिम बंगाल के प्रवासी मजदूरों के भाषाई आधार पर उत्पीड़न का आरोप लगा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के ज्यादातर स्वतंत्रता सेनानी बंगाल से थे। उन्होंने कहा, आप पाएंगे कि सेलुलर जेल (पोर्ट ब्लेयर में) के लगभग 70 प्रतिशत कैदी बंगाली थे। पंजाब के स्वतंत्रता सेनानी दूसरे स्थान पर थे। कार्यक्रम में उपस्थित स्कूली छात्राओं से बनर्जी ने कहा, कल (शुक्रवार को) स्वतंत्रता दिवस है। मैं सभी से संकीर्णता और विभाजनकारी विचारों को त्यागने का आग्रह करती हूं। बंगाल विविधता के बीच सद्भाव और एकता का प्रतीक है। हम मजबूत और एकजुट हैं।

एसआईआर पर न्यायालय के आदेश ने भाजपा की नापाक साजिश का पर्दाफाश किया : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उच्चतम न्यायालय का वह आदेश, जिसमें बिहार में मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख नामों का विवरण प्रकाशित करने के लिए निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया गया है, भाजपा, उसके सहयोगियों और लोगों को मताधिकार से वंचित करने की उनकी नापाक साजिश का पर्दाफाश करता है। तेजस्वी ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का एकजुट होकर विरोध करने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं-राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, ममता बनर्जी, हेमंत सोरेन और शरद पवार का आभार भी जताया। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी ने पटना में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, बिहार में एसआईआर को लेकर शीर्ष अदालत के आज के अंतरिम आदेश ने भाजपा, उसके सहयोगियों और लोगों को मताधिकार से वंचित करने की उनकी नापाक साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम एसआईआर की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर नजर रखेंगे। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण प्रकाशित करे और साथ ही उन्हें शामिल न करने के कारण भी बताए।

'ऑपरेशन सिन्दूर' के लिए बीएसएफ के 16 कर्मी वीरता पदक से सम्मानित

नई दिल्ली/भाषा। ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान ''विशिष्ट बहादुरी'' और ''अद्वितीय साहस'' का प्रदर्शन करने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 16 कर्मियों को वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। अर्धसैनिक बल बीएसएफ देश के पश्चिमी हिस्से में भारत-पाकिस्तान सीमा की रक्षा करने का दायित्व निभा रहा है।

बीएसएफ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस स्वतंत्रता दिवस पर 16 बहादुर सीमा प्रहरियों को ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान दृढ़ और अडिग रहने, उनकी विशिष्ट बहादुरी और अद्वितीय साहस के लिए वीरता पदक से सम्मानित किया जा रहा है। उसने कहा, पदक भारत की पहली रक्षा पंक्ति: सीमा सुरक्षा बल में व्यक्त राष्ट्र के विश्वास और भरोसे का प्रमाण हैं। पदक विजेताओं में एक डिप्टी कमांडेंट रैंक के अधिकारी, दो सहायक कमांडेंट और एक इंस्पेक्टर शामिल हैं। ऑपरेशन सिन्दूर के तहत भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सात से 10 मई तक पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

रामराज्य की अवधारणा पर आधारित होगा 2047 का उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विधानमंडल में चर्चा का केंद्र बना 'यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' उत्तर प्रदेश को रामराज्य की अवधारणा पर आधारित एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने विधानमंडल के मानसून सत्र के चौथे दिन 'यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' का विस्तृत खाका पेश करते हुए कहा, विजन डॉक्यूमेंट 2047 में उत्तर प्रदेश को न केवल आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का लक्ष्य है बल्कि यह इसे रामराज्य की अवधारणा पर आधारित एक आदर्श राज्य के रूप में भी स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, इस विजन में आध्यात्मिक और आधुनिक विकास का एक अनूठा संगम होगा जो गंगा एवं यमुना की तरह प्रदेश की सांस्कृतिक और प्रगतिशील पहचान को दर्शाएगा। यह विजन केवल आंकड़ों, परियोजनाओं और नीतियों तक सीमित नहीं रहेगा। यह उस किसान की आशा है जो अपने खेत में सुनहरे भविष्य की फसल बो रहा है, उस छात्र की आकांक्षा है जो किताबों में अपने सपनों को देख रहा है और उस मजदूर की मेहनत है जो अपने पसीने से विकास की नींव रख रहा है। 2047 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि हमारे सपनों का गंतव्य है।

आदित्यनाथ ने कहा कि जब 25 करोड़ लोग एक संकल्प के साथ एक दिशा में कार्य करेंगे, तो इतिहास बदलेगा। उनका कहना था कि 'यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' के तहत उत्तर प्रदेश को न केवल भारत का सबसे समृद्ध और सशक्त राज्य बनाया जाएगा बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर विकास, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के आदर्श के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 'विजन डॉक्यूमेंट' को तैयार करने में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया जा रहा है तथा इसके लिए एक संवाद सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें सभी हितधारकों की राय ली जाएगी।

एसआईआर मामला : निर्वाचन आयोग हटाए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण कारण समेत प्रकाशित करे: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को बृहस्पतिवार को निर्देश दिया कि वह बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मसौदा मतदाता सूची से हटाये गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण प्रकाशित करे और साथ ही उन्हें शामिल न करने के कारण भी बताए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में मतदाता सूची की एसआईआर कराने के 24 जून के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। इसने कहा कि 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में थे, लेकिन मसौदा सूची से हटा दिए गए थे। मसौदा सूची को एक अगस्त को प्रकाशित किया गया था। जिन लोगों की मृत्यु हो गई है, जो पलायन कर गए हैं या अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में चले गए हैं, उनके नामों की सूची पंचायत स्तर के कार्यालय और जिला स्तर के निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालय में कारणों समेत प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया।

पीठ ने टेलीविजन समाचार चैनलों और रेडियो के अलावा स्थानीय भाषाओं एवं अंग्रेजी दैनिकों समेत समाचार पत्रों के माध्यम से व्यापक प्रचार करने पर जोर दिया, ताकि लोगों को उन स्थानों के बारे में जानकारी दी जा सके जहां सूची उपलब्ध होगी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि नाम हटाए जाने से जिन लोगों को दिक्कत है, उन्हें अपने आधार कार्ड के साथ निर्वाचन अधिकारियों से संपर्क करने की अनुमति दी जाती है।

एसआईआर मामले में न्यायालय ने साहसिक तरीके से संविधान को बरकरार रखा: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देश की सराहना करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि शीर्ष अदालत ने संविधान को स्पष्ट, मजबूत और साहसिक तरीके से बरकरार रखा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह आशा की एक किरण भी है।

उच्चतम न्यायालय ने बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण मामले में निर्वाचन आयोग से बृहस्पतिवार को कहा कि वह मसौदा मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख मतदाताओं की पहचान 19 अगस्त तक उजागर करे और 22 अगस्त तक अनुपालन रिपोर्ट सौंपे। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, उच्चतम न्यायालय ने भारत के संविधान को स्पष्ट, मजबूत और साहसिक तरीके से बरबरार रखा है। यह प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों की चालों से हमारे गणराज्य को बचाने की एक लंबी लड़ाई है, लेकिन बिहार एसआईआर मुद्दे पर आज का उच्चतम न्यायालय का फैसला उम्मीद की एक किरण है। उन्होंने कहा कि यह एक पहला बहुत बड़ा कदम है।

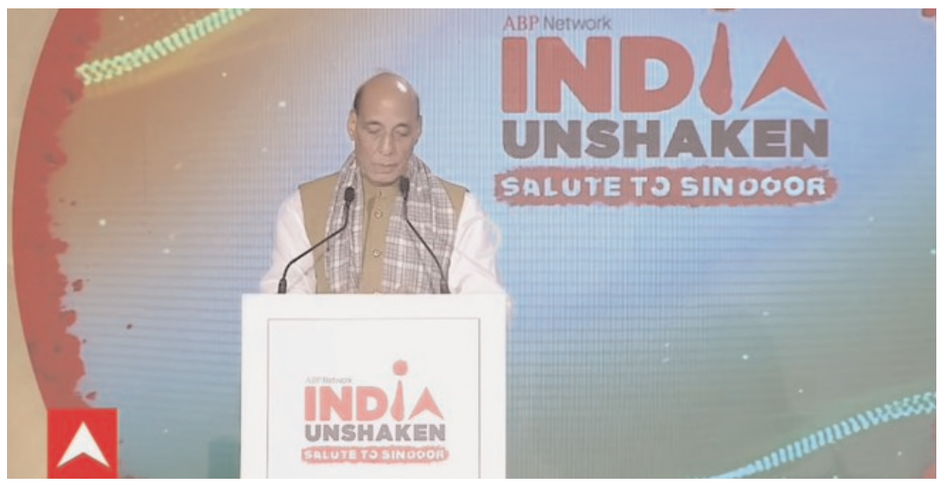

ऑपरेशन सिंदूर संतुलित सैन्य जवाबी कार्रवाई बनकर उभरा: राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' विश्व स्तर पर देखी जा रही विषम युद्ध स्थिति के बीच एक संतुलित सैन्य जवाबी कार्रवाई के रूप में उभरा है। सिंह ने 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों के कर्मियों को दिए संदेश में कहा कि यह अभियान युद्ध की 'नई कला, तकनीकी प्रगति के साथ-साथ रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा, भारत अब पारंपरिक बंदिशों से बंधा नहीं है, यह आधुनिक तकनीक, सटीक खुफिया जानकारी और स्मार्ट रणनीतियों का उपयोग करता है।

रक्षामंत्री ने कहा, आतंकवाद की जड़ें चाहे कितनी भी गहरी क्यों न हों, उसका विनाश निश्चित तौर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत एक सहिष्णु राष्ट्र है, लेकिन जब बात सुरक्षा और सम्मान की आती है तो पूरा देश एकजुट होकर हर चुनौती का साहसपूर्वक सामना करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने ड्रोन युद्ध, आधुनिक वायु रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और नेटवर्क आधारित अभियानों जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है और यह साबित कर दिया है कि अब वह विदेशी तकनीक पर निर्भर नहीं है। रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्धृत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर न केवल भारत की सैन्य शक्ति का प्रमाण है, बल्कि रक्षा क्षेत्र में देश की तेजी से बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस अभियान ने भारत की सैन्य आत्मनिर्भरता को और अधिक ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की संतुलित रणनीति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कुछ ही मिनटों में सटीक मिसाइल हमलों से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालयों सहित नौ आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया गया।

केंद्रीय, राज्य बलों के 1,090 पुलिस कर्मियों के लिए सेवा पदक की घोषणा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले, बृहस्पतिवार को विभिन्न केंद्रीय और राज्य बलों के 1,090 पुलिस कर्मियों के लिए सेवा पदक की घोषणा की।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, 233 कर्मियों को वीरता पदक से, 99 कर्मियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पदक और 758 कर्मियों को सराहनीय सेवा पदक से सम्मानित किया गया है। मंत्रालय ने कहा, इसमें अग्निशमन, होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा तथा सुधारात्मक सेवाओं के कर्मियों के लिए पदक शामिल हैं।

वीरता पदकों में से अधिकतम 152 पदक जम्मू-कश्मीर में अभियानों में शामिल सुरक्षा कर्मियों को देने की घोषणा की गई है। इसके बाद 54 पदक नक्सल विरोधी अभियानों में तैनात सैनिकों को, तीन पूर्वोत्तर में ड्यूटी के लिए और 24 पदक अन्य क्षेत्रों में दिए गए हैं। मंत्रालय के बयान के अनुसार, चार अग्निशमन सेवा कर्मियों और एक होम गार्ड व नागरिक सुरक्षा अधिकारी को भी वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। वीरता पदक जीवन और संपत्ति को बचाने या अपराध को रोकने या अपराधियों को गिरफ्तार करने में बहादुरी के दुर्लभ विशिष्ट कार्य के आधार पर प्रदान किया जाता है।

नीतीश ने बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को बाढ़ प्रभावित जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मूसलाधार बारिश के कारण कई नदियों के उफान पर होने से 10 जिलों में लगभग 25 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि कुमार ने पटना जिले के राघोपुर दियारा, रूपस महाजी, काला दियारा, रामनगर, कसाहा दियारा, मोकामा, बाढ़ और फतुहा ताल तथा बेगुसराय और मुंगेर जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के साथ इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। कुमार ने बुधवार को बाढ़ की स्थिति पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित जिले भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार हैं।

उन्होंने बताया कि बारिश के बाद गंगा, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा का जलस्तर बढ़ रहा है और कई स्थानों पर ये नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

उत्तर प्रदेश के बलिया में टॉफी का लालच देकर दो बच्चों से कुकर्म

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में एक दुकानदार ने टॉफी का लालच देकर दो बच्चों से कथित तौर पर कुकर्म किया। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

पुलिस के अनुसार उभांव थाना क्षेत्र के एक कस्बे में 11 अगस्त की शाम को आठ और नौ वर्ष के दो बच्चे एक दुकान के सामने खेल थे तभी अफजाल अंसारी उर्फ राजू मास्टर नामक दुकानदार ने उन्हें टॉफी का लालच देकर दुकान में बुलाया और कुकर्म किया। पुलिस के अनुसार उसने बच्चों को धमकाते हुए कहा कि वे इस बारे में किसी को कुछ न बताएं। घटना के बाद बच्चों ने परिजनों को जानकारी दी।

थाना प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने बताया कि एक बच्चे की मां की तहरीर पर बुधवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों बच्चों को जांच के लिए बृहस्पतिवार को जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

राहुल गांधी के आरोप ने एसआईआर की जरूरत को रेखांकित किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्षी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोप लगा एक तरह से निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का समर्थन किया है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भाजपा द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में गांधी परिवार पर सत्ता के 'लालच' में कथित तौर पर रिश्वत देने, दबाव डालने और यहां तक कि उन मतपत्रों को नष्ट करने का आरोप लगाया जिनके बारे में माना जाता था कि वे कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ डाले गए थे। पार्टी ने गांधी परिवार पर चुनावी प्रक्रिया से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर 1983 में भारतीय नागरिकता प्राप्त होने से तीन साल पहले ही मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का आरोप लगाया है। शेखावत ने कांग्रेस और गांधी परिवार को भाजपा के इस आरोप को लेकर कथित तौर पर चुप्पी साधने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह चुप्पी अपने आप में सवाल खड़े करती है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, मैं कांग्रेस से फिर पूछता हूं कि उसने मतदाता सूची को कैसे प्रभावित किया और नागरिक बनने से पहले ही उन्हें मतदाता कैसे बना दिया गया। यह निश्चित रूप से भारतीय संप्रभुता को चुनौती देने और संवैधानिक प्रक्रिया को दरकिनार करने के समान है।

राहुल गांधी ने एक संवाददाता सम्मेलन कर 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान कर्नाटक के एक विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक प्रस्तुति दी थी। इस बारे में पूछे जाने पर शेखावत ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने केवल एसआईआर की आवश्यकता को पुख्ता किया है।

गिल का नेतृत्व अविश्वसनीय था : युवराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह को लगता है कि हाल के इंग्लैंड दौरे पर शुभमन गिल का प्रदर्शन अविश्वसनीय था क्योंकि पांच टेस्ट मैचों की शृंखला से पहले विदेशी हालात में उनकी बल्लेबाजी पर सवाल उठाए जा रहे थे।

हाल में एंडरसन-तेंदुलकर टेस्ट शृंखला के दौरान गिल ने चार शतक बनाए और 754 रन के साथ शीर्ष स्कोरर रहे। इस उपलब्धि ने उन्हें सेना (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देश में टेस्ट शृंखला में 700 से अधिक रन बनाने वाला पहला एशियाई बल्लेबाज बना दिया और इस प्रदर्शन ने मेहमान टीम को पांच टेस्ट मैचों की शृंखला 2-2 से ड्रॉ कराने में मदद की। भारत के तीन दिग्गज विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन के लंबे प्रारूप के क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद 25 वर्षीय गिल ने इस मुश्किल दौरे पर युवा टेस्ट टीम का नेतृत्व किया।

युवराज ने महिला क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट के 50 दिन की उलटी गिनती पर आयोजित '50 डेज टू गो' कार्यक्रम के इतर आईसीसी डिजिटल से कहा, उनके विदेशी रिकॉर्ड पर कई सवालिया निशान थे। वह (गिल) कप्तान बने और चार टेस्ट शतक जड़े। यह अविश्वसनीय है कि जब आपको जिम्मेदारी दी जाती है तो आप उसे कैसे लेते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे उन पर (भारतीय टीम पर) बहुत गर्व है। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि यह हमारी जीत है, हालांकि यह शृंखला ड्रॉ रही क्योंकि यह युवा टीम है। और इंग्लैंड में जाकर खेलना और खुद को साबित करना आसान नहीं है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत, आकाशदीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने और उनके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार के कारण केवल तीन मैच खेलने के बावजूद शृंखला में भारत का दृढ़ संकल्प दिखा और उन्होंने ओवल में पांचवें टेस्ट में छह रन से रोमांचक जीत हासिल कर शृंखला बराबर कर दी। गिल के 'मेंटोर' (मार्गदर्शक) रहे युवराज ने कहा कि कोहली और रोहित जैसे खिलाड़ियों के बिना भी भारतीय टीम ने चुनौती का डटकर सामना किया। उन्होंने कहा, यह वाकई शानदार है क्योंकि मुझे लगता है कि जब आपके पास इंग्लैंड जाने वाली युवा टीम होती है तो बहुत दबाव होता है। आप विराट कोहली, रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों की जगह ले रहे होते हैं, यह आसान नहीं होता। खिलाड़ियों ने इसका डटकर सामना किया। उन्होंने ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के प्रयासों की भी सराहना की, जिनकी लंबी साझेदारी की बदौलत भारत ने मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट ड्रॉ कराया।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने बांग्लादेश को राजी करें, मेघालय का केंद्र से अनुरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। मेघालय सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब बाड़ लगाने की अनुमति देने के लिए राजी करे, ताकि बाड़ वाले क्षेत्र से बाहर के गांवों को छोड़े बिना 40 किलोमीटर के बिना बाड़ वाले हिस्से को सुरक्षित किया जा सके। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने दी।

अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार, सीमा पर बाड़ किसी देश की सीमा के 150 गज अंदर तक लगाई जाती है। उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने यह भी कहा कि मेघालय के मामले में सीमा पर बाड़ लगाने से, इसके परिणामस्वरूप कई गांव 'नो मैन्स लैंड' (जहां किसी देश का अधिकार नहीं होता) के अंतर्गत आ जाएंगे या बाड़ के बाहर आ जाएंगे, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी।

तिनसॉन्ग ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने गृह मंत्रालय के समक्ष इस मामले को उठाया है और उससे आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश सरकार को समझाए कि इस वास्तविकता के कारण हमें सीमा के मुख्य स्तंभ के करीब जाने दिया जाए, ताकि हम गांव के बाहर बाड़ लगाने से बच सकें। तिनसॉन्ग जो मेघालय के गृह मंत्री भी हैं, ने हाल ही में घुसपैठ के प्रयास और उसके बाद बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा सुरक्षा की समीक्षा के लिए बुधवार को गृह विभाग के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। उपमुख्यमंत्री के अनुसार, ऐसी व्यवस्था से गांवों को नुकसान पहुंचाए बिना उनकी सुरक्षा होगी। उन्होंने कहा कि 40 किलोमीटर लंबी बिना बाड़ वाली सीमा के भीतर कई बस्तियां हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार सख्ती से बाड़ लगाने पर खतरे में पड़ जाएंगी।

बाड़ लगाने की यह कोशिश रोंगदांगई गांव में हुई एक घटना के बाद की गई है, जहां बांग्लादेश पुलिस के एक कांस्टेबल के नेतृत्व में एक सशस्त्र गिरोह के छह सदस्यों ने कथित तौर पर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर स्थानीय दुकानदार पर हमला किया और नकदी तथा कीमती सामान लूट लिया था। तिनसॉन्ग ने कहा कि सभी उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को पूर्वी जयंतिया हिल्स से लेकर गारो हिल्स के दालू तक संपूर्ण भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सुविचार

**जीवन एक आईना है,
यह वही दिखाता है
जो आप देखते हैं।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह आज़ादी अडिग रहे

स्वतंत्रता दिवस का यह प्रभात कुछ नए संकल्प लेने और पुराने संकल्प दृढ़ता से निभाने को समर्पित होना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने इस दिन के लिए वर्षों तपस्या की थी। हम बहुत सौभाग्यशाली हैं जो आज आज़ादी की खुली हवाओं में सांस ले रहे हैं। हमारी आज़ादी अडिग रहे, मजबूत रहे, इसके लिए हमें अतीत से सबक लेते हुए भविष्य की योजना बनानी होगी। हमें उन कारणों को पहचानना होगा, जो हमारे पूर्वजों को गुलामी की ओर लेकर गए थे। जब-जब समाज कमजोर हुआ है, 'हम' की जगह 'मैं' का बोलबाला हुआ है, तब-तब देश की ताकत में कमी आई है। हमें जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता के बंधनों को तोड़ना होगा। हम भारतीय हैं। हमें इस संकल्प पर दृढ़ रहना होगा कि हमारी एकता को कोई नहीं तोड़ सकता। जब विदेशी आक्रांता यहां आए थे तो उन्होंने वे सभी पैंतरे आजमाए थे, जो समाज में दरारें पैदा करें। आज भी ऐसे तत्त्वों की कमी नहीं है, जो इस ताक में बैठे हैं कि कब कोई गड़बड़ हो और वे मौके का फायदा उठाएं। इस स्वतंत्रता दिवस पर हमें यह संकल्प जरूर लेना चाहिए कि हम अपने देश को स्वच्छ रखेंगे। आज कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं, सार्वजनिक इमारतों की दीवारें पीक से रंगी हुई हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? हमारे देश को साफ रखने की जिम्मेदारी हमारी है। क्या वजह है कि जापान, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण कोरिया जैसे देश इतने साफ-सुथरे हैं, जबकि हमारे यहां स्थिति बिल्कुल अलग है? जब तक देशवासी स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बनाएंगे, यह तस्वीर बदलने वाली नहीं है। स्वच्छता के लिए हर व्यक्ति को पहल करनी होगी।

अंग्रेजों ने हमारे देश को गुलाम बनाने के लिए इसकी अर्थव्यवस्था पर कब्जा किया था। उन्होंने साजिश रचकर हमारे उद्योग-धंधों को नष्ट किया था। हमारी आज़ादी अटल रहे, इसके लिए जरूरी है कि हमारी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत हो। नौजवानों को चाहिए कि वे पढ़ाई के साथ कम-से-कम कोई दो हुनर ऐसे सीखें, जिनमें रोजगार की संभावनाएं हों। जिस देश में लोग अपने रोजगार में व्यस्त होते हैं, वहां कई समस्याओं का समाधान अपनेआप हो जाता है। भारत में इंटरनेट सुलभ होने से कई काम आसान हुए हैं। हालांकि इसके जरिए एक ऐसा जहर हमारे देशवासियों के दिलो-दिमाग में घोला जा रहा है, जिसके नतीजे बहुत खतरनाक हो सकते हैं। आज ऐसे कई ऑनलाइन ऐप चल रहे हैं, जो लोगों को जुए, सट्टे पर दांव लगाकर अमीर बनने का झांसा दे रहे हैं। उनके फेर में पड़कर बहुत लोग जीवनभर की बचत गंवा चुके हैं। कई तो कर्ज में डूब चुके हैं। ऐसे ऐप्स की शिकायतें खूब आ रही हैं, जो तुरंत कर्ज उपलब्ध कराने का वादा कर बहुत ऊंची दर पर ब्याज वसूल रहे हैं। यही नहीं, कई लोग आरोप लगा चुके हैं कि उन्होंने पूरा कर्ज चुका दिया, लेकिन उनसे वसूली जारी है। जब लोगों की आर्थिक स्वतंत्रता खतरे में पड़ जाएगी तो उनका भविष्य क्या होगा? ऐसे ऐप्स के खिलाफ सरकार को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं, देशवासियों को इनसे सावधान रहना चाहिए। बेहतर होगा कि अपने मोबाइल फोन में ऐसे ऐप्स डाउनलोड ही न करें। किसी भी क्षेत्र में उन्नति करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा होनी चाहिए। भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हमें इससे और आगे जाना है। आज कई टीवी तथा सोशल मीडिया चैनलों पर भारत और पाकिस्तान की तुलना की जाती है! हमें इससे परहेज करना चाहिए। अगर तुलना करनी है, प्रतिस्पर्द्धा करनी है तो चीन और अमेरिका जैसे देशों से करनी चाहिए। हमें दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनानी है। प्रथम स्थान से कम, कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। स्वतंत्रता दिवस की अनेक शुभ कामनाएं।

ट्वीटर टॉक

बंटवारा हमारे इतिहास का सबसे दर्दनाक हादसा है। नफरत की कोख से उपजे इस दर्द को देशवासियों ने हिंसा और विस्थापन से भी झेला है। इस दिवस पर हम भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म कर एकता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का प्रण लें।

-दीया कुमारी

बीकानेर के कोडेवाला आउट पोस्ट (खाजूवाला) पर बीएसएफ के जांबाज जवानों से स्नेहपूर्ण संवाद कर एवं जांबाज बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित रहे।

-भजनलाल शर्मा

विभाजन का दर्द आज भी गहरा है। नक़्शे पर एक लकीर खिंचने की वजह से लाखों लोग बेघर हुए, लाखों जीवन मिट गए। विभाजन मानवीयता के लिए विभीषिका था, जिसे झेलने वाले असंख्य भारतीयों ने सुई की नोक बराबर भी कुछ ग़लत नहीं किया था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

चिंतन से चरित्र

रावण का पराभव हुआ और विभीषण का राज्याभिषेक हुआ। राजा विभीषण, कर्तव्य-पालन संबंधी निर्देश प्राप्त करने की जिज्ञासा से भगवान राम के समक्ष उपस्थित हुए। भगवान राम बोले, 'अपने अग्रज पंडितराज की ज्ञान-विज्ञान परंपरा का संरक्षण और विकास करना, किंतु अपना चिंतन सदैव धर्मपरायण और आदर्शनिष्ठ बनाए रखना।' विभीषण ने जिज्ञासा व्यक्त की, 'रावण से चिंतन के स्तर पर क्या भूलें हुईं?' भगवान करुणानिधि बोले, 'उसने ऋषि परंपरा के व्यवस्थित चिंतन-क्रम को त्याग कर लोलुपों का अस्त-व्यस्त मार्ग अपना लिया। इसलिए वह अपने ज्ञान के ठोस लाभ समाज को नहीं दे सका। संकीर्ण स्वार्थपूर्ण चिंतन ने उसे हीन कर्मों में लगा दिया और अंततः उसकी दुर्गति कर दी। धर्म की रक्षा करने के स्थान पर उसने अनीति और अधर्म का ही पोषण किया। यही उसके पतन का कारण बना।'

सामयिक

श्रीकृष्ण हैं शाश्वत एवं प्रभावी सृष्टि संचालक

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

आज जब हम प्रबंधन की बात करते हैं तो यह केवल कॉर्पोरेट, व्यापार या राजनीति तक सीमित नहीं है। यह जीवन की हर परिस्थिति में लागू होता है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो, सामाजिक नेतृत्व हो या राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सीख सकते हैं कि स्थिर मन, समय पर निर्णय, संसाधनों का सही उपयोग, और नैतिकता का पालन-ये सभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं। श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मपालन, और समय-सम्बद्ध रणनीति का जीवंत उदाहरण है।

भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे अद्वितीय महापुरुष हैं, जिनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक ऊँचाई, लोकनायकत्व, व्यावहारिक बुद्धिमत्ता और कुशल प्रबंधन का अद्भुत संगम दिखाई देता है। वे केवल एक धार्मिक देवता नहीं, बल्कि सृष्टि के महाप्रबंधक, समय के श्रेष्ठ रणनीतिकार और जीवन के महान शिक्षक-संचालक भी हैं। उनका सम्पूर्ण जीवन इस बात का प्रमाण है कि सही प्रबंधन के बिना न तो राष्ट्र का संचालन संभव है, न ही व्यक्ति का उत्थान। उन्होंने यह सिखाया कि प्रबंधन केवल योजनाओं और नीतियों का नाम नहीं, बल्कि भावनाओं, विवेक, नीति और समय के सामंजस्य का विज्ञान है। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए। इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं, आधुनिक शासक-नायक यदि श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट को प्रेरणा का माध्यम बनाये तो दुनिया में युद्ध, आतंक एवं अराजकता की स्थितियां समाप्त हो जाये एवं एक आदर्श समाज-निर्माण को आकार दिया जा सके।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युगावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

श्रीकृष्ण ने द्वारका के शासक होते हुए भी कभी अपने को 'राजा' कहलाने में रुचि नहीं दिखाई। वे ब्रज के नंदलाल थे, ग्वालों के सखा, गोपियों के प्रियतम, और साथ ही धर्म के रक्षक भी। उनका जीवन दर्शाता है कि एक सच्चा नेता पद और सत्ता से नहीं, अपने कर्म और दृष्टिकोण से पहचाना जाता है। उन्होंने प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों के बीच अद्भुत संतुलन साधा-एक ओर वे महाभारत जैसे महायुद्ध के नीति निर्देशक थे, तो दूसरी ओर रास की मधुर लीलाओं में प्रेम और आनंद के स्वर बिखेरते थे। उनका प्रबंधन कौशल इस बात में स्पष्ट झलकता है कि अत्याचारी कंस को पराजित करने से पहले उन्होंने उसकी आर्थिक शक्ति को कमजोर किया। यह आधुनिक रणनीति की दृष्टि से भी सर्वोत्तम तरीका था, पहले प्रतिद्वंद्वी की संसाधन शक्ति को समाप्त करो, फिर निर्णायक प्रहार करो। यही व्यावहारिक सोच उन्हें आदर्श मैनेजमेंट गुरु बनाती है। महाभारत के युद्ध में वे स्वयं अस्त्र-शस्त्र नहीं उठाते, लेकिन रथसारथी बनकर अर्जुन के मानसिक संकट को दूर करते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि एक श्रेष्ठ प्रबंधक स्वयं अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर मार्गदर्शन देता है, लेकिन अपनी टीम को ही सफलता का श्रेय देता है।

गीता का उपदेश वास्तव में प्रबंधन का अमरसूक्त है, कर्तव्य के साथ कर्म में निष्ठा, परिणाम से अनासक्ति, समय पर निर्णय लेने की क्षमता और परिस्थितियों के अनुरूप रणनीति बदलने की लचीलापन। उन्होंने सिखाया कि असफलता का भय और परिणाम की चिंता व्यक्ति को कमजोर करती है, जबकि कर्तव्यपरायणता और आत्मसंयम सफलता की गारंटी है। श्रीकृष्ण की दृष्टि में इच्छाओं का त्याग, मन की स्थिरता, और विवेकपूर्ण कार्य-ये जीवन प्रबंधन के मूल सूत्र हैं। उनके व्यक्तित्व में असंख्य भूमिकाएं समाहित थीं, एक ओर वे सुदामा के लिए अद्वितीय मित्र हैं, तो दूसरी ओर दुष्ट शिशुपाल के वध में धर्म के कठोर संरक्षक। वे नंदगांव में माखन चुराने वाले नटखट बालक हैं, लेकिन वही आगे चलकर कुरुक्षेत्र में धर्मयुद्ध के नीति निर्माता भी हैं। यही विरोधाभासों का संतुलन उन्हें अद्वितीय बनाता है। उन्होंने दिखाया कि कब करुणामय होना है और कब कठोर, कब प्रेम करना है और कब दुष्टता का दमन करना है, यह निर्णय केवल वही कर सकता है जो परिस्थितियों को भलीभांति समझता हो और समय का सदुपयोग जानता हो। श्रीकृष्ण एक आदर्श चरित्र हैं जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

श्रीकृष्ण की समय-नियोजन क्षमता अद्भुत थी। 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त करना इस बात का प्रमाण है कि जीवन में सीखने की गति और बहुआयामी दक्षता ही नेतृत्व की असली पहचान है। वे संगीत, नृत्य, युद्धकला, राजनीति, कूटनीति और दर्शन-हर क्षेत्र में पारंगत थे। एक श्रेष्ठ प्रबंधक की तरह उन्होंने न केवल अपनी क्षमताओं का विकास किया, बल्कि अपने समय और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग भी किया। श्रीकृष्ण की राजनीतिक दृष्टि इतनी सूक्ष्म थी कि वे राजसत्ता को धर्मसत्ता के अधीन रखना चाहते थे। उनके जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि था। उन्होंने विषमताओं को समाप्त करने, शत्रुता मिटाने और समाज में सामंजस्य स्थापित करने के लिए हर संभव प्रयास किया। उनके लिए सत्ता कोई व्यक्तिगत लाभ का साधन नहीं, बल्कि लोककल्याण का माध्यम थी। आवश्यकता पड़ने पर उन्होंने सत्ता का त्याग करने में भी संकोच नहीं किया। उनका ग्रामीण संस्कृति के प्रति प्रेम भी उल्लेखनीय है। माखनचोर की उनकी छवि केवल बाललीला नहीं, बल्कि उस समय की निरंकुश कर-व्यवस्था का प्रतिकार और ग्रामीण स्वावलंबन का समर्थन भी थी। उन्होंने गायों, ग्वालों और उनके उत्पादों को सम्मान और संरक्षण दिया, जिससे गांवों की आत्मनिर्भरता बनी रहे।

आज जब हम प्रबंधन की बात करते हैं तो यह केवल कॉर्पोरेट, व्यापार या राजनीति तक सीमित नहीं है। यह जीवन की हर परिस्थिति में लागू होता है, चाहे वह व्यक्तिगत विकास हो, सामाजिक नेतृत्व हो या राष्ट्रीय पुनर्निर्माण। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सीख सकते हैं कि स्थिर मन, समय पर निर्णय, संसाधनों का सही उपयोग, और नैतिकता का पालन-ये सभी किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनिवार्य हैं। श्रीकृष्ण का सम्पूर्ण जीवन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, धर्मपालन, और समय-सम्बद्ध रणनीति का जीवंत उदाहरण है। उनके सिद्धांतों को अपनाकर ही भारत आत्मनिर्भर, शक्तिशाली और सांस्कृतिक दृष्टि से संपन्न बन सकता है। जैसे उन्होंने कहा-'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति' जब भी अन्याय बढ़ेगा, तब एक श्रीकृष्ण का अवतरण होगा, और वह न केवल धर्म की पुनर्स्थापना करेगा बल्कि प्रबंधन की उस कला को भी जीवित रखेगा, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों को संतुलित रूप से आगे बढ़ाती है। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

नजरिया

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

प्रत्येक भारतवासी के लिए 15 अगस्त का दिन गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। हालांकि स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं। विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं।

गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। सैयां भये कोतवाल तो डर काहे का' कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है।

आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है।

ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी? आखिर आजादी का अर्थ क्या है? इस प्रश्न का उत्तर तब तक नहीं दिया जा सकता, जब तक कि यह न जान लिया जाए कि स्वतंत्र होना आखिर कहते किसे हैं? देश को? व्यक्ति को? समाज को? यह जानना भी जरूरी है कि क्या कुछ बुनियादी मानवाधिकारों से वंचित व्यक्ति, समाज या देश को स्वतंत्र कहा जा सकता है? क्या भोजन, कपड़ा और रहने की व्यवस्था, बीमारी से बचाव, भय-आतंक, शोषण व असुरक्षा से छुटकारा, साक्षर एवं शिक्षित होने के पर्याप्त अवसर मिलना और अन्य ऐसी ही कई बातें मानव के बुनियादी अधिकार नहीं हैं?

क्या शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के संघर्ष को मानव का बुनियादी अधिकार नहीं माना जाना चाहिए? लोकतंत्र के हाशिये पर खड़ी देश की जनता को इस दिशा में फिर से मंथन करना आवश्यक हो गया है कि वह किस तरह की आजादी की पक्षधर है? आज की आजादी, जहां तन के साथ-साथ मन भी आजाद है, सब कुछ करने के लिए, चाहे वह वतन के लिए अहितकारी ही क्यों न हो, या उस तरह की आजादी, जहां वतन के लिए अहितकारी हर कदम पर बंदिश हो। आज की आजादी, जहां स्वहित राष्ट्रहित से सर्वोपरि होकर देशप्रेम की भावना को लीलता जा रहा है, या वह आजादी, जहां राष्ट्रहित की भावना सर्वोपरि स्वरूप धारण करते हुए देश को आजाद कराने में गुमनाम लाखों शहीदों के मन में उपजे देशप्रेम का जज्बा सभी में फिर से जागृत कर सके। इस तरह के परिवेश पर सभी देशवासियों को आजादी के इस पावन पर्व पर सच्चे मन से मंथन कर सही दिशा में संकल्प लेने की भावना जागृत करनी होगी, तभी आजादी के वास्तविक स्वरूप को परिलक्षित किया जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

गरीबी और अशिक्षा के खिलाफ लड़ाई ही भारत की असली ताकत : ईशा कोप्पिकर

मुंबई/एजेन्सी

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर, अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने देश के सामने मौजूद सामाजिक चुनौतियों पर एक भावुक संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक स्वतंत्रता तो हासिल कर ली गई है, लेकिन भारत की असली परीक्षा अब गरीबी और अशिक्षा से मुक्ति पाने में है। ईशा ने अपने बयान में कहा, जब हम अपना तिरंगा फहराते हैं और राष्ट्रगान गाते हैं, तो हमें उन दो सबसे बड़े दुश्मनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो आज भी हमारे देश को पीछे धकेल रहे हैं। उन्होंने देश की ऐतिहासिक स्वतंत्रता की लड़ाई की तुलना आज की इन चुनौतियों से करते हुए कहा कि सच्ची स्वतंत्रता तभी मिलेगी जब हर नागरिक को बुनियादी ज़रूरतें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

ईशा ने नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर ज़ोर देते हुए कहा, हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दिलाई थी, लेकिन आज हमारे देश की असली परीक्षा तब होगी जब कोई बच्चा भूखा न सोए और कोई युवा शिक्षा से वंचित न रह जाए।

यह हमारी नई आज़ादी की लड़ाई है, जिसमें हर भारतीय की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल यह याद करने का दिन नहीं है कि हमने क्या हासिल किया है, बल्कि यह सोचने का भी अवसर है कि हमें अभी और क्या-क्या पाना है। ईशा ने सभी से उसी दृढ़ संकल्प को अपनाने का आग्रह किया, जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया था, ताकि गरीबी और अशिक्षा को खत्म किया जा सके।

मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव शुरू; आमिर खान मुख्य अतिथि

नई दिल्ली/भाषा। 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' (आईएफएफएम) 2025 की शुरुआत भव्य तरीके से हुई, जिसमें आमिर खान, वीर दास और तिलोत्तमा शोम सहित अन्य कलाकार शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिम सर्भ, अदिति राव हैदरी, फिल्म निर्माता शूजित सरकार, अश्विनी अय्यर तिवारी, तनुश्री दास और आर.एस. प्रसन्ना के साथ-साथ मुकेश छाबड़ा भी मौजूद थे।

महोत्सव के मुख्य अतिथि आमिर खान ने कहा, मेलबर्न में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं मेलबर्न भारतीय फिल्म महोत्सव का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। यह सिनेमा की एक बेहतरीन पहल है जो लोगों और संस्कृतियों को एक साथ लाती है। मुझे यकीन है कि महोत्सव में प्रदर्शित होने वाली फिल्मों और शामिल हुए फिल्म निर्माताओं को एक शानदार अनुभव मिलेगा।

महोत्सव निदेशक मितु भौमिक लांगे ने कहा कि आईएफएफएम अविश्वसनीय कहानियों, असाधारण प्रतिभा और सीमाओं से परे सिनेमा के लिए साझा जुनून का संगम है। उन्होंने कहा कि इतने सारे प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति के साथ इस वर्ष का महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करने वाला एक सेतु भी है।

आईएफएफएम का 16वां संस्करण 14 अगस्त से 24 अगस्त तक चलेगा।

स्वतंत्रता दिवस

पटना महिला महाविद्यालय की छात्राएँ गुरुवार को पटना में 79वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 'विविधता में एकता, भारत की विशेषता' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेती हुईं।

तिरंगा यात्रा

हैदराबाद में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बुधवार को रामनगर से बाघलिंगमपल्ली तक तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

ट्रंप-पुतिन मुलाकात में चीजें ठीक नहीं रहीं तो भारत पर बढ़ सकता है शुल्कः अमेरिकी वित्त मंत्री

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चेतावनी दी है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शुक्रवार को होने वाली मुलाकात में 'चीजें ठीक नहीं रहीं' तो भारत पर शुल्क बढ़ सकते हैं।

ट्रंप ने पिछले सप्ताह भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाये जाने की घोषणा की। इसमें रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर जुर्माने के तौर पर लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल हैं। यह अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा। बेसेंट ने बुधवार को 'ब्लूमबर्ग' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति पुतिन से हर कोई निराश है। हमें उम्मीद थी कि वह ज्यादा खुलकर बातचीत करेंगे। ऐसा लग रहा है कि वह संवाद के लिए तैयार हो सकते हैं। और हमने रूसी तेल खरीदने के लिए भारतीयों पर द्वितीयक (अतिरिक्त) शुल्क लगा दिया है। मुझे लगता है कि अगर चीजें ठीक नहीं रहीं, तो अतिरिक्त शुल्क बढ़ सकते हैं।

वित्त मंत्री ने रूस से कच्चे तेल के मुख्य खरीदार चीन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राष्ट्रपति (ट्रंप) अपने लिए लाभ की स्थिति बनाने में सर्वश्रेष्ठ हैं और वह राष्ट्रपति पुतिन के सामने यह स्पष्ट कर देंगे कि सभी विकल्प खुले हुए हैं। अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति 15 अगस्त को अलास्का में बैठक करने वाले हैं। इस दौरान रूस एवं यूक्रेन के बीच जारी जंग को खत्म करने पर मुख्य रूप से बातचीत होने वाली है। बेसेंट ने रूस पर लगे प्रतिबंधों में बढ़ोतरी या कटौती की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा, प्रतिबंध बढ़ाए जा सकते हैं, उन्हें कम किया जा सकता है। उनकी एक निश्चित अवधि हो सकती है। वे अनिश्चित काल तक जारी रह सकते हैं। आप जानते हैं, दुनिया भर में रूसी जहाजों का एक छद्म बेड़ा है, जिस पर मुझे लगता है कि हम कार्रवाई कर सकते हैं।

इसके साथ ही अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि भले ही ट्रंप की पुतिन से मुलाकात होने वाली है, लेकिन यूरोपीय देशों को 'साथ आने' और ये अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ट्रंप यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें यूरोपीय देशों के साथ आने और और ज्यादा ताकत बनाने में मदद की जरूरत है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी शुल्क पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा, किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा।

कुत्तों के मुद्दे पर सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, समाज के रूप में हम कितने भाव शून्य हो चुके हैं

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने दिल्ली-एनसीआर से कुत्तों को किसी दूसरी जगह भेजने से संबंधित उच्चतम न्यायालय के निर्देश की आलोचना करते हुए इसे निराशाजनक बताया। सोनाक्षी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, दिन-ब-दिन हम यह दिखा रहे हैं कि एक समाज के रूप में हम कितने भावशून्य हो गए हैं। हर दिन निराशाजनक है। उन्होंने लिखा, आवारा कुत्ते कोई समस्या नहीं हैं। वे पीड़ित हैं। भय, भूख, बीमारी, उपेक्षा, क्रूरता और परित्याग के शिकार। वे बिना आश्रय, बिना टीकाकरण, बिना नसबंदी के रहते हैं। सड़कों पर बच्चों को जन्म देते हैं, और अपने बच्चों को भी इसी तरह के हालात का सामना करते देखते हैं। उन्होंने कहा कि कुत्तों को भीड़भाड़ वाले आश्रय स्थलों में भेजने से वे अपनी आजादी खो देंगे। यह पशु कल्याण नहीं है। आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण ही असली व मानवीय समाधान है।

वीर दास, जाह्नवी कपूर, वरुण धवन और वरुण ग्रोवर समेत कई हस्तियों ने इस निर्देश की आलोचना की है। जॉन अब्राहम ने भी उच्चतम न्यायालय और दिल्ली सरकार को संबोधित करते हुए एक पत्र लिखा है। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि आवारा कुत्तों के काटने से खासकर बच्चों में रेबीज होने की समस्या बेहद गंभीर है। अदालत ने दिल्ली के अधिकारियों को छह से आठ हफ्तों में लगभग 5,000 कुत्तों के लिए आश्रय स्थल बनाने का काम शुरू करने का निर्देश दिया है।

देश की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी देवी चौधुरानी' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी की कहानी पर आधारित बहुप्रतीक्षित फिल्म 'देवी चौधुरानी' का टीजर दुनिया भर में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुभ्रजीत मित्रा द्वारा निर्देशित इस महाकाव्य फिल्म में स्राबंती चटर्जी देवी चौधुरानी के मुख्य किरदार में हैं, जबकि प्रसेंजीत चटर्जी रहस्यमयी विद्रोही नेता भवानी पाठक की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि यह खइ मंत्रालय द्वारा थर्रीशी 2025 में आधिकारिक इंडो-यूके सह-निर्माण का दर्जा पाने वाली पहली भारतीय फिल्म है। टीजर में प्रसेंजीत चटर्जी का यह संवाद, धातुओं में, तुम उल्का हो, दर्शकों के बीच पहले ही काफी लोकप्रिय हो चुका है। यह संवाद देवी के अटूट साहस और दृढ़ता को दर्शाता है, जो अपने समय से कहीं आगे की महिला थी।

प्रसेंजीत चटर्जी ने इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, यह गर्व का क्षण है कि बंगाल की कहानी, जो हमारी मिट्टी, भाषा और इतिहास से जन्मी है, दुनिया के सबसे बड़े मंच पर चमक रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लिए, देवी असाधारण, अडिग और अविस्मरणीय हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की दंतकथा पर आधारित इस फिल्म में सब्यसाची चक्रवर्ती, अर्जुन चक्रवर्ती, दर्शना बैनिक जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म का संगीत ग्रैमी-नामांकित पंडित बिक्रमा घोष ने दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि 'देवी चौधुरानी' केवल बंगाल की नहीं, बल्कि पूरे भारत की कहानी हैयह प्रतिरोध, गरिमा और साहस की अदम्य गाथा है।

सोहा अली खान ने बताए फिट रहने के राज

मुंबई/एजेन्सी

शाही परिवार से नाता रखने वाली अभिनेत्री सोहा अली खान फिटनेस के साथ-साथ हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया पर जिम में एक्सरसाइज करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह जिम में वॉल पुशअप्स, नी पुशअप, इंकलाइन पुशअप, वन नी पुशअप करती और मजाकिया अंदाज में लिप बाम लगाती नजर आ रही हैं। इसके साथ हीं वह लोगों को पुशअप के फायदे भी बताती दिख रही हैं। बता दें, वॉल पुशअप एक शुरुआती-अनुकूल व्यायाम है, जो छाती, कंधे और बाहों की मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। यह व्यायाम पारंपरिक पुशअप की तुलना में जोड़ों पर कम दबाव डालता है। वहीं, नी पुशअप उन लोगों के लिए बेहतर और आरामदायक है जो अभी वर्कआउट की शुरुआत कर रहे हैं या जिनके हाथों या कलाई में चोट है। नी पुशअप शरीर के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों, जैसे छाती, कंधे और ट्राइसेप्स को मजबूत करने में मदद करता है। इंकलाइन पुशअप एक बहुत ही प्रभावी एक्सरसाइज है जो छाती, कंधे और ट्राइसेप्स की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो अभी-अभी पुशअप करना शुरू कर रहे हैं, क्योंकि यह सामान्य पुशअप से थोड़ा आसान होता है। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, पुशअप सिर्फ लड़कों के लिए नहीं होते! अगर आप करना चाहते हैं, तो ऐसे शुरू करें- पहले घुटनों के बल पुशअप करें, फिर थोड़ा ऊपर उठकर (किसी मेज या बेंच पर) पुशअप करें और आखिर में पूरी तरह से जमीन पर पुशअप करें।

'बागी 4' से सामने आया हरनाज़ संधू का पोस्टर

मुंबई/एजेन्सी

मिस यूनिवर्स 2021 का ताज पहनकर दुनिया जीतने वाली हरनाज़ संधू अब बड़े परदे पर जीत का झंडा गाड़ने को तैयार हैं और इस बार, हाथ में ताज नहीं, हथियार है! साजिद नाडियाडवाला के नाडियाडवाला ग्रेंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले, और निर्देशक ए. हर्षा की अगुवाई में, वो कर रही हैं अपना बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू बागी 4 में। कल रिलीज़ हुआ टीज़र इंटरनेट पर तूफ़ान मचा रहा है फैंस हरनाज़ के धांसू एक्शन सीन देखकर दंग रह गए। डेब्यू के लिए ऐसा जबरदस्त और अनोखा चुनाव शायद ही किसी ने किया हो।

जहां एक तरफ़ वो ताज और सजीले अंदाज़ से दुनिया को मोहित कर चुकी हैं, वहीं अब वो हथियार थामे जंग के मैदान में उतरने को तैयार हैं। नए पोस्टर में हरनाज़ काले स्लिट गाउन में, हाथ में भारीभरकम बंदूक़ थामे, कैमरे में घातक नज़रों से देखती हुई ख़तरा, हुस्न और पावर का ऐसा कॉम्बो जिसे नज़रअंदाज़ करना नामुमकिन है। इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, ताज से तबाही तक उसकी नज़रें सिर्फ़ मोहती नहीं, जीत लेती हैं टीज़र पर मिले प्यार के लिए शुक्रिया!

कहानी, पटकथा और निर्माण साजिद नाडियाडवाला (नाडियाडवाला ग्रेंडसन एंटरटेनमेंट), निर्देशन ए. हर्षा, और स्टारकास्ट टाइगर श्रॉफ, हरनाज़ संधू, संजय दत्त। बागी 4 में मिलेगा हड्डी-तोड़ एक्शन, धमाकेदार ड्रामा और खून-पसीने से लथपथ फाइनल शो डाउन। 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही बागी 4 के टीज़र ने पहले ही ट्रेंड पकड़ लिया है, और हरनाज़ का यह खतरनाक अवतार इंटरनेट पर आग लगा रहा है। उनका ये डेब्यू शायद बॉलीवुड इतिहास की सबसे चर्चित एंट्रीज़ में से एक बन जाए!

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस : कई हिंदी फिल्मों ने दिखाया बंटवारे का दर्द, संवेदनाओं को पर्दे पर संजीदगी से उकेरा

मुंबई/एजेन्सी

1947 का वह दिन, जब देश के बंटवारे के दौरान नफरत और हिंसा की वजह से अनगिनत लोग बेघर हो गए और उन्हीं की याद में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया जाता है। इस विभाजन में कइयों के घर छूटे, अपने छूटे, दिल टूटा और आंखों में बस गया वह भयानक मंजर जो आज भी दिल दहला देता है। उस दौर की दुश्वारियों को दिखाती और कई संवेदनशील मुद्दों को छूती फिल्में बॉलीवुड ने हमें दी हैं। चंद्रप्रकाश द्विवेदी की 'पिंजर' अमृता प्रीतम के उपन्यास पर आधारित है, जो विभाजन के दौरान महिलाओं की पीड़ा को दिखाती है। साल 2003 में आई फिल्म में उर्मिला मातोंडकर के निभाए 'पूरो' के किरदार को दर्शकों से काफी प्यार मिला। पूरो एक हिंदू लड़की रहती है, जिसका एक मुस्लिम युवक (मनोज बाजपेयी) अपहरण कर लेता है। यह फिल्म सामाजिक बंधनों, नफरत और मानवता के बीच की जटिलताओं को उजागर करती है। 'पिंजर' विभाजन की त्रासदी को बखूबी प्रस्तुत करती है, जो उसके दर्द के बारे में दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती है। फिल्म के हर एक सीन में भावनाएं भर-भरकर डाली गई हैं।

साल 2003 में आई सबीहा सुमर की फिल्म 'खामोश पानी' पाकिस्तान में बसे एक गांव की कहानी है, जहां विभाजन की यादें एक महिला और उसके बेटे के जीवन की कहानी को कहती हैं।

किरण खेर की दमदार एक्टिंग इस फिल्म को यादगार बनाती है। इंडो-पाकिस्तानी फिल्म एक पंजाबी गांव में रहने वाली विधवा मां और उसके बेटे के बारे में है। एक पाकिस्तानी गांव में फिल्माई गई यह फिल्म भारत में भी रिलीज हुई थी। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी 'गदर' विभाजन के दौरान की प्रेम और बलिदान की कहानी को पर्दे पर पेश करती है। साल 2001 में आई इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल लीड रोल में हैं। यह फिल्म एक सिख ट्रक ड्राइवर तारा सिंह और मुस्लिम लड़की सकीना की प्रेम कहानी को पर्दे पर उतारती है। विभाजन की हिंसा और नफरत के बीच तारा अपनी पत्नी और बेटे को बचाने के लिए पाकिस्तान जाता है। 'गदर' ने विभाजन के दर्द को संवेदनशीलता के साथ पेश किया है।

'1947: अर्थ' एक इंडो-कैनेडियन पीरियड रोमांस ड्रामा फिल्म है, जो 1999 में बनी है, जिसका निर्देशन दीपा मेहता ने किया है। यह बाप्सी सिधवा के उपन्यास 'क्रैकिंग इंडिया' पर आधारित है, जो 1947 के भारत विभाजन के समय की कहानी है। कहानी लाहौर में 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के समय भारत के विभाजन से ठीक पहले और उसके दौरान की है। पोलियो से ग्रस्त 'लेनी', एक धनी पारसी परिवार की लड़की रहती है, जो अपनी कहानी सुनाती है। उसके माता-पिता, बंटी और रुस्तम, और आया शांता उसकी देखभाल करते हैं। शांता के प्रेमी, दिल और हसन, और उनके अलग-अलग धर्मों के दोस्त पार्क में समय बिताते हैं।

विभाजन के दंश का असर उनकी जिंदगी में भी देखने को मिलता है। खुशवंत सिंह के उपन्यास पर आधारित पामेला रुक्स की फिल्म 'ट्रेन टू पाकिस्तान' साल 1998 में आई थी। यह एक पंजाबी गांव की कहानी बयां करती है, जहां सिख और मुस्लिम समुदाय शांति से रहते हैं। लेकिन, विभाजन की हिंसा गांव को भी अपनी चपेट में ले लेती है। ट्रेन दृश्य, जिसमें लाशों से भरी रेलगाड़ी गांव पहुंचती है, विभाजन की भयावहता को दिखाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शुक्रवार | 15-08-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

हमारे जीवन में मिलने-जुलने, साथ रहने, बातें करने, घूमने या भोजन करने वाले हजारों लोग होते हैं, लेकिन अंत में साथ जाने वाले कितने मिलेंगे? जीवन में यह समझना जरूरी है कि हम साथ हैं, पर हमारा अस्तित्व अलग है और इस सच्चाई को ध्यान में रखकर जिएंगे तो किसी भी परिस्थिति में स्वयं को नियंत्रित कर सकेंगे।

संगठित ही जीत हासिल करेगा : पंन्यास निर्मोहसुन्दर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पंन्यासश्री निर्मोहसुन्दर विजयजी ने अपने प्रवचन में केएलपी अभिनंदन के संघ में एक मार्मिक बात बताई कि दुर्जन पराजित होता है और सज्जन विजेता। यह बात अब ग़लत है। सज्जन पराजित होगा और दुर्जन विजेता बनेगा, यह बात भी ग़लत है।

कलियुग में सत्य की विजय नहीं होती है, सत्य से भी ज्यादा ताक़तवर संख्या है और संख्या से भी ज्यादा ताक़तवर संगठित संख्या है। संगठित संख्या भी निष्क्रिय रही तो संगठन का कोई मतलब ही नहीं निकलता। संगठित संख्या जब सक्रिय बनती है, तब विजय प्राप्त होती है। दुर्जनों के सैकड़ों अवगुण हो सकते हैं, लेकिन एक गुण सब पर भारी पड़ता है और वो है एकता। दुर्जन संगठित होकर काम करते हैं। सज्जनों के हजार गुण पर भी अवगुण भारी पड़ जाता है। सज्जनों में व्याप्त आलस्य व अहंकार सज्जनों को हरा देता है।

आग लगाने वालों से भी ज्यादा गुनहगार वो है, जिसका दायित्व आग बुझाने का होने पर भी वो सोता रहता है। दुर्जनों की सक्रियता से भी बड़ा दुर्गुण सज्जनों की निष्क्रियता है। पक्ष व विपक्ष हमेशा बने रहते हैं, पर हमें उससे विचलित नहीं होना है। दिक्कत तब शुरू होती है, जब हम सभी को कमज़ोर मानकर अपने आप को कमज़ोर करते हैं। प्रवचन के अंत में भारतीय जैन संघटना (बीजेएस) के राष्ट्रीय महामंत्री पंकज चौपड़ा ने बीजेएस द्वारा पूरे भारत में किये जाने वाले लाभकारी व समाज कल्याण के कार्यों की जानकारी दी।

गुण दृष्टि प्रकट करना जिनशासन का प्रमुख कर्तव्य है : पन्यास विमलपुण्यविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी ने गुरुवार को समकित के '67 बोल' के अंतर्गत सम्यक दृष्टि युक्त दस स्थानों का पांच प्रकार से 'विनय' विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि सम्यक दृष्टि युक्त आत्मा धर्म रूपी वृक्ष के मूल को अमृत रस से सींचती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विनय के पाँच स्वरूप हैं बाह्य सेवा रूप भक्ति, हृदय प्रेम स्वरूप बहुमान, गुणों की स्तुति, अवगुणों को छिपाना और आशातना का त्याग। बाह्य प्रीति चार प्रकार से हो सकती है जिसमें भक्ति व बहुमान दोनों हो, भक्ति हो लेकिन बहुमान नहीं हो, बाहर से भक्ति नहीं हो लेकिन अंदर से बहुमान हो और भक्ति व बहुमान दोनों न हो।

पंन्यासश्री ने कहा कि गौतम स्वामी उच्च ज्ञान के बाद भी विनय एवं भक्ति में रमे रहे। हमें भी अपने जीवन में वही भाव लाना चाहिए। उन्होंने साधु जीवन के संदर्भ में कहा कि साधु केवल क्षुधा होने पर ही आहार ग्रहण करते हैं, समाज पर कभी बोझ नहीं बनते और भगवान की आज्ञा के अनुरूप जीवन जीते हैं। साधु के दर्शन करना तो पुण्य का काम है। यह आपके जीवन के कल्याण का द्वार खोलता है। उन्होंने कहा, एक अवगुण छिपाने के लिए अन्य गुणों की आशातना लगती है। गुण प्राप्ति नहीं करनी है तो ऐसा कुकृत्य करते हो। साधु-साध्वी की आशातना करना भव भ्रमण को लंबा करता है और एक साधु की आशातना 2000 करोड़ साधुओं की आशातना के समान होती है। पंन्यासश्री ने यह भी कहा कि गुण दृष्टि प्रकट करना जिनशासन का प्रमुख कर्तव्य है। गुण गाते-गाते स्वयं गुणवान बन जाते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि हमें धर्म से युक्त साधु, आचार्य, उपाध्याय और चतुर्विध संघ की आशातना से बचना चाहिए। चतुर्विध संघ की भी कभी आशातना नहीं होनी चाहिए। जो बीमार की सेवा करता है, वह तीर्थंकर की सेवा के समान पुण्य अर्जित करता है।उन्होंने विनय के दूसरे प्रकार की व्याख्या करते हुए बताया कि हृदय से प्रेम स्वरूप विनय करना चाहिए।गुणों की स्तवना करने हेतु उन्होंने कहा, हमें गुण दृष्टि प्रकट करना जरूरी है। उन्होंने प्रेरणा दी कि यदि गौतम स्वामी जैसी लब्धि चाहिए तो वैसी ही नम्रता और विनय जीवन में उतारनी होगी। गुरु वचन का कहीं भी एक क्षण का विलंब किए बिना 'तहत्ति' करो। शून्य बनकर ही सृजन संभव है।

जीवन में स्वाभिमान से बढ़कर कुछ भी नहीं : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पंच पकवान से बढ़कर है स्वाभिमान खोकर प्राप्त होने वाला 56 भोग भी जहर के समान होते हैं श्रस्वाभिमान ही धर्म का सच्चा प्राण है। उक्त विचार राष्ट्रसंत कमल मुनिजी 'कमलेश' ने स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर जैन भवन सभागार में संबोधन देते हुए कहा कि बिना स्वाभिमान के जिंदा व्यक्ति भी मुर्दे के समान है। वह धरती पर भार भूत है पशु से भी गया बीता है। उन्होंने कहा कि स्वाभिमान की रक्षा के लिए राणा प्रताप ने महलों को ठोकर मारी, धरती माता के स्वाभिमान की रक्षा के लिए दर-दर जंगल में भटके, अपार कष्ट सहकर भी मुस्कुराते रहे स्वाभिमान खोना धर्म की बर्बादी करने के समान है।

मुनि कमलेश ने बताया कि स्वाभिमान और अभिमान में दिन रात का अंतर है। स्वाभिमान अमृत है, अभिमान जहर है, जो स्वयं के अहंकार पोषण के लिए कार्य करता है। उसे अभिमान बोलते हैं और जो देश धर्म और जाति की रक्षा के लिए तन, मन, धन और इज्जत भी दांव पर लगा देता है उसको स्वाभिमान कहते हैं। स्वाभिमान का जीवन स्वर्ग के समान है। उसके बिना नरक के समान है जो अपनी स्वार्थ के लिए स्वाभिमान को गिरवे रख देता है। जैन संत ने कहा कि न्याय और सत्य के लिए समझौता न करते हुए अपने उद्देश्य पूर्ति के लिए कदम पीछे नहीं हटता है। अपने स्वार्थ का बलिदान दे देता है वही सच्चा धार्मिक है। अंत में बताया कि स्वाभिमान की रक्षा के बिना धार्मिकता की जीवन में शुरुआत नहीं हो सकती, आत्म कल्याण संभव नहीं है, स्वाभिमान की रक्षा करना धर्म साधना परमात्मा और मोक्ष की रक्षा करने के समान है।

अखिल भारतीय जैन संघटना के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदकुमार सांखला नासिक ने कहा कि व्यक्ति, समाज, देश और धर्म की रक्षा में आने वाली रुकावट और व्यवधानों को दूर करना होगा उसके बिना हम किसी क्षेत्र में विकास नहीं कर सकते। बालक और युवाओं में संस्कृति का स्वाभिमान जागृत करना होगा, व्यसन और फैशन, धर्म परिवर्तन, लव जिहाद, हिंसा, पश्चात संस्कृति के हमले के लिए जागरूक होना होगा। तभी सच्चा स्वाधीनता दिवस मनाना सार्थक होगा। अखिल भारतीय अहिंसा संघ रजिस्टर नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार जैन ने कहा कि युवा पीढ़ी को मुख्य धारा में लाना सभी धर्मगुरु और कार्यकर्ताओं का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए।

अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली महिला शाखा महाराष्ट्र के अध्यक्ष भावना जैन ने कहा नारी शक्ति को क्रांति का शंखनाद करके झांसी की रानी बनकर घर की चार दीवारों से बाहर निकाल कर समाज और देश के विकास के लिए समर्पित होना होगा हमने वीरांगना के क्रांति की अलख जगाई है। राष्ट्रसंत के विचार वर्तमान में प्रासंगिक है इनके विचारों को हमें आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ संजय पींचा ने किया।

ज्ञानशाला दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा के तत्वावधान में ज्ञानशाला दिवस-2025 तेरापंथ भवन साहुकारपेट में साध्वीश्री उदितयशजी म.सा. के सान्निध्य में मनाया गया। पहले सत्र में प्रशिक्षकों एवं ज्ञानार्थियों द्वारा गीतिका एवं मंचीय प्रस्तुतियाँ दी गईं। दूसरे सत्र में 25 बोल एवं अन्य धार्मिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से ज्ञानार्थियों का ज्ञानवर्धन व मनोरंजक कार्यक्रम रखा गया। साध्वीश्री उदितयशाजी ने मंगल उद्बोधन में प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि जीवन को सजाने और संस्कारों को पाने के लिए ज्ञानशाला एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अभिभावकों को बच्चों की परवरिश के संबंध में भी सारगर्भित संदेश दिए।

अध्यक्ष अशोक खतंग ने स्वागत वक्तव्य में ज्ञानशाला परिवार को बधाई देते हुए कार्यक्रम के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की। सभा के मंत्री गजेंद्र खांटेड का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम संचालन में आपका पूर्ण सहयोग रहा। ज्ञानशाला प्रभारी राजेश सांड ने सभी प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, 'आपके सहयोग, समर्पण और सेवा भाव से ही चेन्नई की ज्ञानशाला इतनी समृद्ध है। हमारे नन्हे-मुन्ने ज्ञानार्थी तेरापंथ समाज एवं धर्मसंघ की नींव हैं। आपकी शक्ति ही हमारी प्रेरणा है।' ज्ञानशाला की प्रशिक्षिकाओं ने सुमधुर गीतिका प्रस्तुति दी। मंचीय प्रस्तुति में ज्ञानार्थियों ने आओ ज्ञानशाला गीत की संयुक्त प्रस्तुति दी। नाटक के माध्यम से उन्होंने जैन धर्म के विभिन्न चरित्रों का प्रभावी चित्रण किया, जिसे उपस्थित जनसमुदाय से अत्यंत सराहना मिली।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन साध्वीश्री संगीतप्रभाजी ने किया। व्यवस्था पक्ष में ज्ञानशाला के कर्मठ कार्यकर्ता नीरज गोगड़, देवेंद्र सुराणा, मनोज सेठिया, कमलेश सिंघवी आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

कार्यक्रम में श्रावक समाज की गरिमामयी उपस्थिति के साथ ज्ञानशाला सह-प्रभारी अनिल बोथरा भी उपस्थित थे। चेन्नई क्षेत्र की 25 ज्ञानशालाओं में से 12 शाखाओं के 188 ज्ञानार्थी व 78 प्रशिक्षकों की सहभागिता रही। अंत में साध्वीवृंद के चेहरों पर खिले मनमोहक मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि यह कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं मनोरंजक रहा।

कृष्ण जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय विद्यार्थियों ने कृष्ण जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर धर्म, कर्तव्य, भक्ति और बुराई पर अच्छाई की विजय जैसे विषयों पर ज़ोर दिया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों को कृष्ण और राधा की तरह सजाया गया। बच्चों ने भक्ति गीत गाए। छात्रों ने नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शैक्षणिक निदेशक जी. विजयकुमार और प्रधानाचार्य एम. उमा भी उपस्थित थे। विशेष पूजा की गई और प्रसाद वितरित किया गया।

अच्छे कार्य करो और दूसरों को भी प्रेरित करो : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पुरुषवक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने गुरुवार को प्रवचन में कहा कि जीवन में हम खुद को 'कीमती' भी बना सकते हैं और 'कीचड़' भी यह पूरी तरह हमारी अपनी पसंद है। इस जीवन में गंदगी भी है और मोती भी, कुछ लोग संसार देखते हैं तो कुछ लोग धर्म। दुनिया में योगी भी हैं और भोगी भी भोगी को संसार दिखता है, जबकि योगी को धर्म और साधना।

परदेसी की कथा का उल्लेख करते हुए मुनिजी ने कहा कि चित्त सारथी श्रावक बना और ऐसा धर्मात्मा बन गया कि मृत्यु भी उसे धर्म से नहीं रोक सकी। उन्होंने कहा – हम व्यापार के लिए अनगिनत विचार लाते हैं, लेकिन धर्म के लिए कितने विचार लाते हैं? आगमकार के अनुसार जिनवाणी ही सबसे मूल्यवान है, बाकी सब अनर्थ का कारण। धन साथ नहीं जाएगा, धर्म साथ जाएगा। ग्वालियर के स्वतंत्रता-सेनानी श्रावक अमरचंद बाठीया का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आज़ादी से पहले उन्होंने देश के लिए योगदान का संकल्प लिया। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़कर धमकाया कि मदद करना छोड़ दें तो रिहा कर देंगे, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। फांसी की सजा सुनने पर उनकी अंतिम इच्छा सिर्फ एक सामायिक करने की थी। अंतिम समय में भी उन्होंने धर्म को नहीं छोड़ा – यही असली धर्मात्मा का लक्षण है। मुनिजी ने कहा कि आज कई लोग सिर्फ नाम के धर्मात्मा हैं – जहां नाम और प्रसिद्धि मिले वहीं धर्म करते हैं। असली धर्मात्मा बिना धर्म किए सो नहीं सकता। जीवन में यह संकल्प होना चाहिए कि करना है तो धर्म ही करना है। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मिठालाल पगारिया, सुदर्शन छल्लानी, दिलीप मरलेचा उपस्थित रहे। मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

क्षमता अनुसार ही तप त्याग करने चाहिए : वीरेंद्रमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सैदापेट के बाजार रोड स्थित एसएस जैन संघ स्थानक में विराजित श्री वीरेन्द्र मुनिजी म सा ने सुखविपाक सूत्र वाचन में कहा कि भगवान महावीर स्वामी के काल में सुबाहु कुमार ने भगवान महावीर से कहा वह अभी दीक्षा लेने में समर्थ नहीं है, तब भगवान ने उन्हें श्रावक के बारह व्रत ग्रहण करवाए और सुबाहुकुमार ने उन बारह व्रतों को अपने जीवन में अंगीकार करते हुए प्रसन्नता के साथ स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सदैव अपनी क्षमता के अनुसार तपस्या, व्रत एवं अन्य नियमों का पालन करना चाहिए परंतु क्षमता, शक्ति होते हुए भी अगर तप जप व्रत को अंगीकार नहीं करते है तो वह कर्मों के चोर कहलाएंगे। हम एक सच्चे श्रावक श्राविका तभी कहलाएंगे जब हम भगवान महावीर द्वारा बताए गए बारह व्रतों में से कुछ व्रतों का अंगीकार कर के धर्म पथ का अनुसरण करते हुए जीवन में स्थिति प्राप्त करे। उन्होंने प्रवचन में कहा कि सुबाहुकुमार सुन्दर, सुशील, गुणवान, यश, वैभव, सरल, निर्मल स्वभाव वाले मनुष्य थे कहा जाए तो वह सर्वगुण संपन्न थे, उनकी इन विशेषताओं को देख कर भगवान गौतम स्वामी ने अन्य शिष्यों ने पूछा की सुबाहु कुमार ने ऐसे कौन से अच्छे कर्म किए है जिससे उन्हें यह सब प्राप्त हुआ, सुबाहु कुमार की कथा का प्रसंग गुरुदेव कल के प्रवचन में बताएंगे। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने मंच संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

बंदरगाह सुरक्षा में सुधार सीआईएसएफ का नया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीआईएसएफ ने निजी सुरक्षा कर्मियों के लिए एक नया प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया। उद्घाटन भाषण के दौरान चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष सुनील पालीवाल ने कहा कि इस पाठ्यक्रम की शुरुआत बंदरगाह सुरक्षा प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। सीआईएसएफ के महानिरीक्षक आईपीएस एसआर सरवनन ने कहा, बंदरगाहों के जटिल वातावरण के अनुरूप केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करके, हम सुरक्षा कर्मियों को आत्मविश्वास और व्यावसायिकता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए सशक्त बना रहे हैं, जिससे अंततः महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे और व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है।

बंदरगाहों पर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सीआईएसएफ ने विशेष रूप से बंदरगाहों पर तैनात निजी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों के लिए एक नया व्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया है। यह पाठ्यक्रम सुरक्षा कर्मचारियों को बंदरगाह संचालन, खतरे की पहचान और आपातकालीन प्रतिक्रिया के बारे में आवश्यक ज्ञान से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे बंदरगाह का वातावरण अधिक सुरक्षित और सुरक्षित हो। यह पाठ्यक्रम बंदरगाह संचालन, विभिन्न हितधारकों की भूमिकाओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर सुरक्षा को नियंत्रित करने वाले कानूनी ढाँचों की एक आधारभूत समझ प्रदान करता है। प्रतिभागी संभावित खतरों और सामान्य आपराधिक रणनीतियों को पहचानना सीखेंगे और आपात स्थितियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के लिए व्यावहारिक कौशल प्राप्त करेंगे।

यह कार्यक्रम बंदरगाह सुरक्षा की विशिष्ट प्रकृति पर ज़ोर देता है और इस क्षेत्र में आने वाली विशिष्ट चुनौतियों से निपटने में सक्षम सुप्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य बंदरगाह सुविधाओं और संचालन का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना, सुरक्षा खतरों की समझ को बढ़ाना और सुरक्षा घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने और उनका जवाब देने की क्षमता विकसित करना है। प्रमुख शिक्षण परिणामों में बंदरगाह संचालन की समझ, हितधारकों की भूमिकाएँ, खतरे की धारणा, कानूनी ढाँचे और तकनीकी सुरक्षा उपकरणों का उपयोग शामिल हैं। चार प्रमुख बंदरगाहों – न्यू मैंगलोर पोर्ट अथॉरिटी (एनएमपीए) मैंगलोर, कामराजर पोर्ट लिमिटेड (केपीएल) एन्नोर, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी (सीएचपीए) चेन्नई, और वी.ओ. चिदंबरनार पोर्ट अथॉरिटी (वीओसीपीए) तूतीकोरिन – के 40 निजी सुरक्षाकर्मियों ने इस विशेष सुरक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया है, जिसे उनके कौशल और परिचालन तत्परता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आज का भारत स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर है : बिरला

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर बृहस्पतिवार को कहा कि आज का भारत स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर है। उन्होंने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। बिरला ने अपने संदेश में कहा, 15 अगस्त का यह दिन हर भारतीय के हृदय में गौरव, और आत्मसम्मान का भाव जगाता है। आज वह दिन है जब हम अपने अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों, क्रांतिकारियों और राष्ट्रनायकों का आभार व्यक्त करते हैं जिनके संघर्ष, त्याग, तपस्या और बलिदान के कारण हमें आज़ादी मिली। उन्होंने कहा कि यह देशवासियों के लिए गौरव का विषय है कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, हम विज्ञान, चिकित्सा, तकनीक, अंतरिक्ष, खेल जैसे क्षेत्रों में विश्व के अग्रणी देश के रूप में उभरे हैं। आज का भारत स्वाभिमानी भारत है, आत्मनिर्भर भारत है।

राग-द्वेष की परंपरा बहुत खतरनाक है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि राग और द्वेष की अधिकता के बीच सुख-शांति की परिकल्पना असंभव है।

जैन परंपरा की समस्त साधना-आराधनाओं का यही मूल उद्देश्य है कि हम राग-द्वेष कम कर अपने आत्मभावों मे रमणता करें। अगर राग-द्वेष को कम करने का प्रयत्न नहीं होता है तो सारी साधना व्यर्थ है। जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धाराप्रवाह बोलते हुए जैनाचार्य ने कहा कि राग-द्वेष को मनोविज्ञान के संदर्भ में समझने की सख्त आवश्यकता है। वर्तमान जगत इस दोनों की भीषण आग में स्वाहा हो रहा है। क्रोध, वैर, हिंसा, घृणा, तिरस्कार, ईर्ष्या, कपट, मनमुटाव, भेदभाव आदि द्वेष की कोंख से जन्म लेते हैं। जबकि प्रेम, वासना, पक्षपात, इच्छा-तृष्णा, आसक्ति, माया, ममत्व आदि भावनात्मक दुर्गुण राग से पैदा होते हैं। मरते दम तक मनुष्य और पशु-पक्षी इनसे परेशान होते रहते हैं, जिनके मन में राग-द्वेष कम होते हैं, वे निराला जीवन जीते हैं। संसार के लिए ऐसे लोग शुभ होते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि प्रकृति द्वंद्व की व्यवस्था है। राग और द्वेष संसार के मूल बीज हैं। इन दोनों से ही सारी समस्याओं का जन्म होता है। इन्हें क्षीण बनाकर और अंततः इनसे मुक्त होकर ही परम सुख-शांति की अनुभूति की जा सकती है। ये संसार के दो ऐसे खतरनाक पाटे हैं, जिनकी चपेट में कोई साबुत नहीं बचता। द्वेषभाव स्पष्ट दिखाई देता है, राग के रूपरंग स्पष्ट दिखाई नहीं देते, लेकिन सच्चाई यह है कि दोनों ही मनःस्थितियां दुःखदाई हैं। द्वेष की अपेक्षा राग अधिक खरतनाक है। चरक ऋषि ने मनुष्य के मन और तन के स्वास्थ्य की चर्चा करते हुए कहा कि राग और द्वेष मानसिक रोग हैं, इन्हें कम करके ही रोगों को कम किया जा सकता है।

जैनदर्शन में राग-द्वेष से मुक्त आत्मा को ही भगवान माना जाता है। भगवान के लिए प्रयुक्त होते वीतराग शब्द का यही तात्पर्य है। जैन संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि शुक्रवार को आचार्य विमलसागरसूरीश्वर व गणि पद्मविमलसागर के सान्निध्य में यहां राजस्थान व गुजरात के हिंदी व गुजराती भाषी सभी जाति-वर्गों के करीब तीन हजार से अधिक राष्ट्रभक्त नागरिक संयुक्त रूप से 79 वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.